NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 62 लखनऊ, शनिवार 24 अक्टूबर 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

प्रधानमंत्री मोदी ने किया चिन्मय अमृत महोत्सव का उद्घाटन, कहा- चिन्मय मिशन सिर्फ एक संस्था नहीं, ये चिन्मय विचार हैं

एजेंसी।

नई दिल्ली में चिन्मय अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1993 में स्वामी चिन्मयानंद से हुई मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि उस बातचीत का मुख्य विषय युवाओं के सशक्तिकरण से सक्षम भारत का निर्माण करना था। साथ ही, उन्होंने स्वामीजी द्वारा शिकागो की विश्व धर्म संसद का आमंत्रण स्वीकार करने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 1993 में स्वामी चिन्मयानंद के साथ हुई अपनी आखिरी मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि उस बातचीत का मुख्य विषय युवाओं को सशक्त बनाना था, ताकि वे एक मजबूत और सक्षम भारत का निर्माण कर सकें। नई दिल्ली के भारत मंडपम में श्चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलनश को संबोधित करते हुए, मोदी ने यह भी बताया कि कैसे इस आध्यात्मिक गुरु ने शिकागो में श्पार्लियामेंट ऑफ द वर्ल्ड्स

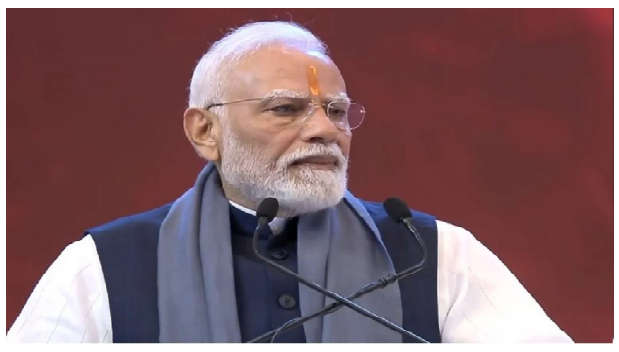

रिलीजन्सश (विश्व धर्म संसद) की शताब्दी समारोह में शामिल होने के उनके निमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।प्रधानमंत्री ने इस आयोजन को एक बेहद निजी और आध्यात्मिक अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक ने उन्हें स्वामी चिन्मयानंद के साथ बिताए पलों की याद दिला दी है। यह कार्यक्रम श्चिन्मय मिशनश के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है, जिसकी स्थापना 1951 में इसी आध्यात्मिक गुरु ने की थी।पीएम मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद के अंतिम दिनों को याद किया, मोदी ने बताया कि फरवरी–मार्च 1993 के आसपास वे स्वामी चिन्मयानंद से मिले थे। उन्होंने स्वामी जी को शिकागो में होने वाले श्पार्लियामेंट ऑफ द वर्ल्ड्स रिलीजन्सश (विश्व धर्म संसद) के शताब्दी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। यह आयोजन स्वामी विवेकानंद के उस ऐतिहासिक भाषण के 100 साल पूरे होने का भी प्रतीक था, जो उन्होंने इसी मंच से दिया था। मोदी ने कहा मैं उन्हें अमेरिका के शिकागो में होने वाले श्पार्लियामेंट ऑफ द वर्ल्ड्स रिलीजन्सश के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने गया था। यह स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण के 100 साल पूरे होने का भी अवसर था। उन्होंने आगे बताया कि स्वामी चिन्मयानंद ने निमंत्रण स्वीकार किया और अमेरिका गए, जहाँ उन्होंने इस समारोह का प्रचार किया और लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की। हालाँकि, 11 सितंबर को शिकागो में होने वाले इस आयोजन से कुछ हफ्ते पहले ही, 3 अगस्त को सैन डिएगो में इस आध्यात्मिक गुरु का निधन हो गया। मोदी ने कहा इस आयोजन से कुछ हफ्ते पहले, 3 अगस्त को सैन डिएगो (अमेरिका) में गुरुदेव का निधन हो गया और वे हम सबको छोड़कर चले गए। शिकागो के उस आयोजन में अपनी मौजूदगी को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा जब 11 सितंबर को शिकागो में यह आयोजन हुआ, तो मैं सौभाग्य से वहां मौजूद था।

ओम प्रकाश माथुर बने केरला के 29वें राज्यपाल

एजेंसी। दिल्ली। ओम प्रकाश माथुर ने तिरुवनंतपुरम में केरल के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सौमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। सिक्किम के पूर्व राज्यपाल रहे माथुर के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री समेत कई प्रमुख नेता शामिल हुए और विभिन्न दलों ने उनकी नियुक्ति का स्वागत किया। लोक भवन में ओम प्रकाश माथुर ने केरल के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। यह शपथ ग्रहण समारोह तिरुवनंतपुरम के लोक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस सौमेन सेन ने माथुर को पद की शपथ दिलाई। माथुर इससे पहले सिक्किम के राज्यपाल के रूप में भी काम कर चुके हैं। ।छप् से बातचीत में, राज्य के नेताओं और भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) के नेताओं ने उनकी नियुक्ति का स्वागत किया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने किया मतदान

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की शिक्षक–स्नातक कोटे की 11 सीटों के लिए मतदान शुरू हो गया है। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पत्नी नम्रता पाठक के साथ वोट डाला। लखनऊ में ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने भी मतदान किया।उत्तर विधान परिषद की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान शुरू हो गया। इनमें पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीटें शामिल हैं। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। कुल 14.81 लाख मतदाता 152 प्रत्याशियों के भाग्य का निर्णय करेंगे।चुनाव के लिए 2697 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद–झांसी सीट शामिल हैं। वहीं, शिक्षक निर्वाचन

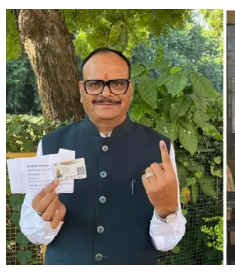

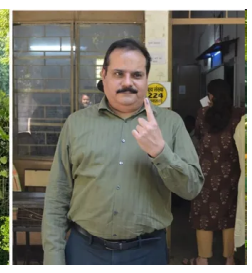

क्षेत्रों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली–मुरादाबाद और गोरखपुर–फैजाबाद सीट पर चुनाव हो रहा है। मतगणना 27 अक्टूबर को होगी।उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मतदान के बाद कहा कि लखनऊ में उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 के अंतर्गत लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में सपत्नीक अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में सहभागिता की। मतदान केवल हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण के प्रति हमारा दायित्व भी है। हम सभी अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने के साथ–साथ विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। आपका एक वोट, विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत नींव है।उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के पांच खण्ड स्नातक एवं छह खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 के लिए हो रहे मतदान के दौरान दस बजे अपने निर्धारित मतदेय स्थल, बूथ संख्या–224 (स्नातक), केंद्रीय विद्यालय, विकास खण्ड–2, गोमती नगर, लखनऊ में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

एमएलसी चुनाव अखिलेश यादव ने इटावा में डाला वोट, बीजेपी पर लगाया भ्रष्ट अफसरों की तैनाती का आरोप

संवाददाता।

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इटावा में एमएलसी चुनाव के लिए वोट डालकर मतदाताओं से लोकतंत्र और संविधान बचाने की अपील की। उन्होंने भाजपा पर कई जिलों में भ्रष्ट अधिकारियों को तैनात करने का आरोप लगाया। इस बीच, उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों में विधान परिषद सीटों के लिए मतदान हुआ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में ब्लॉक विकास अधिकारी (ठक्ब्) कार्यालय में स्नातक डस्ब् चुनाव के लिए अपना वोट डाला। बाद में, यादव ने जनता से अपील की कि वे देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए इस चुनाव में अपना वोट जरूर डालें। यादव ने पत्रकारों से कहा मैं सभी मतदाताओं से आखिरी बार अपील करता हूँ। आपका एक वोट लोकतंत्र को बचाएगाय यह संविधान को बचाएगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने आरोप लगाया कि



बीजेपी ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में चुनाव की जिम्मेदारी भ्रष्ट अधिकारियों को सौंपी है। उन्होंने दावा किया कि भविष्य में होने वाले अन्य चुनावों में भी बीजेपी ऐसा ही बर्ताव कर सकती है। यादव ने आगे कहा हमें आगरा, फतेहपुर, मुख्यमंत्री के गृह जिले गोरखपुर और जौनपुर समेत कई जिलों से ऐसी खबरें मिल रही हैं कि अगर कोई मतदाता समाजवादी पार्टी को वोट देने जाता है, तो वहां बीजेपी के गुंडे या भ्रष्ट अधिकारी तैनात मिलते हैं... वे अन्य चुनावों में भी ऐसा ही बर्ताव कर सकते हैं। लेकिन जनता उनके खिलाफ है, और वे अपने एक–एक वोट से उनसे छुटकारा पा लेगी। इसके अलावा, समाजवादी पार्टी (सपा) नेता राम गोपाल यादव ने भी चुनाव में अपना वोट डाला।

पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा इटावा में माहौल समाजवादी पार्टी के पक्ष में है। फिरोजाबाद और आगरा में भी यही स्थिति है, और अलीगढ़ में तो समर्थन सबसे ज्यादा है। इसलिए हमारे दोनों उम्मीदवार जीतेंगेकृशिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से आकाश अग्रवाल और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भी हमारे उम्मीदवार की जीत होगी।ष् इस बीच, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव के लिए मतदान चल रहा है। संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के कारण ये चुनाव हो रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग (म्ब्) के अनुसार, बिहार में आठ, कर्नाटक में चार, महाराष्ट्र में पांच और उत्तर प्रदेश में 11 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, जिससे ये सीटें खाली हो गई हैं। उत्तर प्रदेश में पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों (लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद–झांसी) और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों (लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली–मुरादाबाद और गोरखपुर–फैजाबाद) में मतदान हो रहा है। इन 11 निर्वाचन क्षेत्रों के मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। मतदान सुबह 8 बजे शुरू हुआ और शुक्रवार को शाम 4 बजे तक चलेगा।

राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में था उत्तर प्रदेश, वर्ष 2017 से पहले अराजकता व विपन्नता - योगी आदित्यनाथ

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ प्रकृति और परमात्मा की असीम कृपा वाला है। यहां की भूमि अत्यंत उर्वरा है और जल संसाधन भी प्रचुर मात्रा में है। लोकभवन में शुक्रवार मिशन कर्मयोगी के तहत "साधना श्रृंखला" की उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा युवा कार्यबल भी है। इसके बावजूद लंबे समय तक प्रदेश विपन्न बना रहा। संभावनाएं भरपूर थीं, लेकिन उन्हें उपलब्धियों में बदलने की इच्छाशक्ति नहीं थी। वर्ष 2017 से पहले राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में प्रदेश में अराजकता थी। उत्सवपूर्ण प्रदेश को उपद्रवग्रस्त बनाने के पीछे भी यही कारण था।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुआ काममुख्यमंत्री ने कहा कि संभावनाओं को उपलब्धियों में बदलने के लिए जिस क्षमता निर्माण की जरूरत थी, वह वर्ष 2017 से पहले नहीं हो सका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश ने जो काम किया है, वह सबके सामने है। वर्ष 2017 से



पहले नागरिकों और प्रशासनिक मशीनरी दोनों के सामने पहचान का संकट था।पिछले साढ़े नौ वर्षों में राज्य का बजट और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना करने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में केवल डेढ़ एक्सप्रेसवे थे, आज देश के 60 प्रतिशत एक्सप्रेसवे हैं। रेल, रोड और एयर कनेक्टिविटी के लिहाज से प्रदेश देश में सबसे आगे है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले आम नागरिकों में हताशा, निराशा और आक्रोश था। लोग थक चुके थे और सिस्टम से उनका विश्वास उठ गया था। शासन की सुविधाएं नागरिकों के लिए नहीं थीं तथा सिस्टम सत्ता–केंद्रित था। नौकरियों का विज्ञापन निकलते ही युवाओं के मन में आशंकाएं पैदा हो जाती थीं।बड़ी आबादी भूख से मरने को मजबूर थी और पलायन उसकी नियति बन गया था। हमने सरकार में आने के बाद 65 लाख गरीबों को आवास दिया और तीन करोड़ से अधिक शौचालय बनवाए। 15 करोड़ से अधिक लोग मुफ्त अन्न योजना का लाभ ले रहे हैं। मिशन कर्मयोगी में उत्तर प्रदेश को प्रथम, राजस्थान को द्वितीय और जम्मू–कश्मीर को तृतीय स्थान मिलने पर मुख्यमंत्री ने इन राज्यों के अधिकारियों को सम्मानित किया। कार्यशाला में केंद्रीय राज्य मंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय) डॉ. जितेंद्र सिंह, क्षमता विकास आयोग (सीबीसी) की अध्यक्ष एस. राधा चौहान, मुख्य सचिव एसपी गोयल, सीबीसी सदस्य डॉ. अलका मित्तल, सीबीसी सचिव जगदीप गुप्ता और डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रूपाम) के महानिदेशक एम. देवराज उपस्थित थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ की अधिकारियों को दो टूक, 'आफिस -अशफिस ' धारावाहिक की तरह कार्यालयों में न भटके आम आदमी

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को



उचित सलाह दी है। लोकभवन में शुक्रवार को मिशन कर्मयोगी के तहत आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के लिए सही व्यक्ति को सही पद पर तैनात करने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीवी पर लोकप्रिय हुए एक धारावाहिक का उदाहरण दिया और कहा कि आम आदमी को अपने काम के लिए 'ऑफिस –ऑफिस ' धारावाहिक की तरह एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय भटकना पड़े, तो यह पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। यह नहीं होना चाहिए। बुजुर्ग, युवा, महिला, किसान और अन्य जरूरतमंदों की समस्याओं का समाधान न हो तो लोक सेवा का उद्देश्य पूरा नहीं होता। नागरिक संतुष्टि ही लोकसेवक का रिपोर्ट कार्ड है।अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता, उपलब्धियों तथा सफलता को वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) और पदोन्नति से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि समस्याओं को जानबूझकर लंबित रखना या जानकारी के अभाव में उनका समाधान न कर पाना, दोनों ही स्थितियां प्रशासन के लिए गंभीर हैं। जिम्मेदार पद पर अयोग्य व्यक्ति का बैठना और लापरवाह व्यक्ति का वहां बने रहना खतरनाक है।कर्मचारी अपने अधिकारों और पदोन्नति के प्रति सजग रहते हैं, लेकिन दायित्वों के निर्वहन में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाते। कार्मिकों की जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण और उनके काम का मूल्यांकन जरूरी है। आम नागरिक की वास्तविक समस्या का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।एआई सेंटर आफ एक्सीलेंसमुख्यमंत्री ने तीन घोषणाएं कीं। जिनमें डॉ राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रूपाम) को एआई सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। पंचायतों और नगर निकायों के कार्मिकों की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा और 'राइट पर्सन फार द राइट रोल' की अवधारणा को प्रभावी बनाया जाना शामिल है।दायित्व समझने की क्षमता विकसित करना आवश्यकग्राम पंचायतों, नगर पंचायतों, नगर पालिका परिषदों और नगर निगमों के कार्मिकों का क्षमता विकास प्राथमिकता होनी चाहिए। डिग्री और नियुक्ति पत्र मिलना ही किसी को योग्य अभियंता या सक्षम अधिकारी नहीं बनाता। नई तकनीक अपनाने, परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने और दायित्व समझने की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।प्रशासनिक सुधारों में उत्तर प्रदेश मॉडल रू डॉ जितेंद्र सिंह केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रशासनिक सुधारों के जरिए नागरिकों का विश्वास बढ़ाने वाली व्यवस्था विकसित की जा रही है। सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश ने प्रशासनिक सुधारों और क्षमता विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर देश के सामने माडल प्रस्तुत किया है।उन्होंने कहा कि मिशन कर्मयोगी में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान और आइ–गाट कर्मयोगी प्लेटफार्म पर सर्वाधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे करना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। प्रशासन को 'रूल बेस्ड' दृष्टिकोण से आगे बढ़ाकर 'रोल बेस्ड' कार्यप्रणाली अपनानी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सुशासन और प्रशासनिक क्षमता विकास में राष्ट्रीय माडल के रूप में भूमिका निभाता रहेगा। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि योजनाओं की सफलता उनकी संख्या से नहीं, बल्कि आम नागरिकों तक उनके लाभ के प्रभावी, पारदर्शी और समान वितरण से तय होती है। क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य पाने के लिए सक्षम, दक्ष और नागरिक–केंद्रित सिविल सेवाओं का निर्माण जरूरी है।

कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में श्रद्धा दुबे की जमानत याचिका खारिज, कोर्ट ने माना काफी गंभीर अपराध

, संवाददाता।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या में मुख्य आरोपित लिव इन पार्टनर श्रद्धा दुबे को कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। शिवा शर्मा की हत्या की आरोपित श्रद्धा दुबे की जमानत अर्जी खारिज हो गई है। कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या में लखनऊ जेल में बंद श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश की ओर से सीजेएम की कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की गई थी। शुक्रवार को मौजूद न रहने पर प्रभारी सीजेएम आलोक वर्मा ने सुनवाई के बाद तीनों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि जमानत का कोई आधार नहीं है और अपराध काफी गंभीर



है। अब तीनों को ऊपरी अदालत में अपील करनी पड़ेगी।कोर्ट के आदेश पर गुरुवार को पुलिस ने पूछताछ के बाद तीनों आरोपितों को जेल में दाखिल करा दिया था। शुक्रवार सुबह तीनों ने अधिवक्ता के जरिए सीजेएम कोर्ट, लखनऊ में जमानत अर्जी लगाई।प्रभारी सीजेएम आलोक वर्मा ने जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मामला गंभीर प्रकृति का है। इसका ट्रायल सेशन कोर्ट में होना है। ऐसे में जमानत देने का उचित आधार नहीं बनता है। अब तीनों सत्र न्यायालय में अपील करेंगे। जेल प्रशासन ने शुक्रवार को बताया कि सुरक्षा और संवेदनशीलता को देखते हुए निर्णय लिया गया है कि श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश की पेशी न्यायालय में वर्चुअल माध्यम से कराई जाएगी।

अखिलेश यादव का आरोप, शिक्षक-स्नातक चुनाव में भाजपा ने फर्जी मतदान की कोशिश की

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विधान परिषद के आगरा–अलीगढ़ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में सैफई में मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में हार के डर से भाजपा बौखलाई हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने फर्जी मतदान और बेईमानी करने का प्रयास किया तथा समाजवादी पार्टी के मतदाताओं को मतदान से रोकने के लिए अपने लोगों और कथित तौर पर भ्रष्ट अधिकारियों का सहारा लिया।अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में पूरे प्रदेश से फर्जी मतदान की कोशिशों और समाजवादी पार्टी के मतदाताओं को रोकने की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर प्रशासन मूकदर्शक बना रहा और चुनाव आयोग ने भी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा को वोट चोरी के लिए एक विश्वविद्यालय खोलना चाहिए, जिसमें अपने कार्यकर्ताओं के लिए कम से कम तीन साल का पाठ्यक्रम चलाया जाए।सपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी वर्ष 2022 से ही मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी के मुद्दे उठाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं में भाजपा और चुनाव आयोग के लोग शामिल हैं। उनके मुताबिक, भाजपा लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ काम कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को मजबूत करने की लड़ाई लड़ रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को दस साल हो चुके हैं, फिर भी उसे शिक्षक और स्नातक चुनाव में कथित तौर पर फर्जी मतदान और दबाव का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने शिक्षकों और नौजवानों के लिए कोई ठोस काम नहीं किया। सरकार पर महंगाई बढ़ाने, रोजगार उपलब्ध नहीं कराने, आरक्षण को कमजोर करने और प्राथमिक विद्यालय बंद करने के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और अन्याय बढ़ा है।उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, पुलिस व्यवस्था, सड़कों और किसानों की समस्याओं को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि अस्पतालों की व्यवस्था खराब है, पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार है, एक्सप्रेसवे पर गड्ढे हैं और किसानों को खाद के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने केंद्र सरकार की विदेश नीति और व्यापार व्यवस्था पर भी सवाल उठाए तथा कहा कि सरकार की नीतियों का असर खाद की उपलब्धता पर पड़ रहा है।सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए हैं और अब लोग सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए तैयार हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को जवाब देगी और उसे सत्ता से बाहर करेगी।

पुलिस आयुक्त एवं डीएम ने मतदान केंद्रों पर मतदान कार्यों का लिया जायजा

प्रयागराज। इलाहाबाद–झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 का मतदान शुक्रवार को सकुशल ढंग से सम्पन्न हुआ। पुलिस आयुक्त पीयूष मोर्डिया एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा इलाहाबाद–झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत ज्वाला देवी इण्टर कालेज–सिविल लाइन, किदवई मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज–हिम्मतगंज, लाला मनमोहनदास इण्टर कालेज–झूंसी सहित अन्य मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर वहां पर चल रही मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मतदान प्रक्रिया से जुड़े हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदान प्रक्रिया को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने के सम्बंध में आवश्यक दिशा–निर्देश देते रहे। इलाहाबाद–झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 के लिए प्रयागराज में कुल 152 बूथ बनाये गये थे। रहकर मतदान कार्य को सकुशल



जिलाधिकारी ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को भी निरंतर भ्रमणशील ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश देते रहे।

एमएलसी चुनाव - सपा प्रत्याशी ने लगाया सेक्टर मजिस्ट्रेट पर आरोप

प्रयागराज। इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक एमएलसी चुनाव के मतदान के दौरान प्रयागराज के हरवारा बूथ में हंगामा हो गया। सपा प्रत्याशी डॉ. मान सिंह यादव समेत अन्य नेताओं ने आरोप लगाया कि सेक्टर मजिस्ट्रेट बीजेपी की पर्ची लेकर घूम रहे हैं। डॉ. मान सिंह ने सेक्टर मजिस्ट्रेट के हाथों में थमे कागज को छीन लिया और उसे अन्य अफसरों को दिखाते हुए बोले ये बीजेपी की पर्ची लेकर घूम रहे हैं। हालांकि अन्य अफसरों ने सपा नेताओं को समझा कर मामला शांत कराया।जिला निर्वाचन अधिकारी से जारी आंकड़ों के अनुसार, सुबह आठ बजे मतदान शुरू होने के बाद शुरुआती दो घंटों में सुबह 10रू00 बजे तक महज 2.85 प्रतिशत लोगों ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। दोपहर 12रू00 बजे तक यह आंकड़ा 9.54 प्रतिशत और दोपहर 2रू00 बजे तक बढ़कर 19.86 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया।इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव के लिए सुबह 8रू00 बजे से मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुई। सपा प्रत्याशी डॉ मानसिंह यादव ने अपनी पत्नी डॉ प्रभा यादव के साथ मतदान किया। वोट देने के बाद उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। यह चुनाव मुद्दों के आधार पर लड़ा जा रहा है। भाजपा वाले पुलिस प्रशासन और लालच से चुनाव को जीतने का भरसक प्रयास कर रही है। लेकिन इस चुनाव का मतदाता जागरूक है।



अटल आवासीय विद्यालयों से श्रमिकों के बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में निर्माण श्रमिकों, अनाथ बच्चों और कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित अटल आवासीय विद्यालय हजारों परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण बन रहे हैं। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में स्थापित इन विद्यालयों में कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा देने की व्यवस्था है। योजना का उद्देश्य आर्थिक अभाव के कारण बच्चों की पढ़ाई छूटने से रोकना और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना है।अटल आवासीय विद्यालयों में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के साथ कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पात्र बच्चों और अनाथ बच्चों को निर्धारित पात्रता के अनुसार प्रवेश दिया जाता है। इन विद्यालयों को जवाहर नवोदय विद्यालयों की तर्ज पर विकसित किया गया है। यहां विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ रहने, खाने, किताबों, वर्दी और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम के अनुरूप पढ़ाई कराई जाती है। स्मार्ट कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और खेल के मैदानों जैसी सुविधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है। पढ़ाई के अतिरिक्त बच्चों को कंप्यूटर, खेलकूद, संगीत, कला और कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों में भी भाग लेने के अवसर मिलते हैं। प्रत्येक वर्ष कक्षा छह और नौ में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया जाता है।इन विद्यालयों से श्रमिक परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। योजना से जुड़ी एक प्रेरक कहानी लखनऊ मंडल के विद्यालय में पढ़ने वाले एक छात्र की है, जिसके पिता भवन निर्माण मजदूर हैं। आर्थिक तंगी के कारण पहले बच्चे की पढ़ाई नियमित नहीं हो पा रही थी। अटल आवासीय विद्यालय की जानकारी मिलने पर पिता ने प्रवेश के लिए आवेदन किया और प्रवेश परीक्षा में सफल होने के बाद बेटे को विद्यालय में दाखिला मिल गया। अब बच्चा अंग्रेजी बोलने, कंप्यूटर चलाने और खेलकूद जैसी गतिविधियों में भी भाग ले रहा है। इस तरह की सुविधाएं उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिनके लिए बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना मुश्किल होता है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शैक्षिक सत्र 2024–25 और 2025–26 में प्रत्येक अटल आवासीय विद्यालय में लगभग एक–एक हजार बच्चों को प्रवेश दिया गया। वर्ष 2025–26 में एक हजार बच्चों को प्रवेश मिलने का भी उल्लेख किया गया है। प्रदेश के इन विद्यालयों में कुल 14,555 से अधिक छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक मंडल में संचालित विद्यालयों की क्षमता एक हजार विद्यार्थियों तक विकसित करना है।प्रत्येक विद्यालय के निर्माण पर 65 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। इनके संचालन का पूरा खर्च उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड वहन करता है।

पीईटी परीक्षा के लिए रेलवे चलाएगा 2 स्पेशल ट्रेनें, 9 का होगा विस्तार

3 के समय बदलने की तैयारीय प्रयागराज मंडल ने बनाई योजना

प्रयागराज। पीईटी परीक्षा–2026 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने विशेष रेल परिचालन योजना तैयार की है। 25 और 30 अक्टूबर के साथ 1 नवंबर को होने वाली परीक्षा के लिए दो अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर 9 ट्रेनों का गंतव्य तक विस्तार और 3 ट्रेनों के समय में बदलाव किया जा सकेगा।

परीक्षा तीन दिनों में दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित है। रेलवे का उद्देश्य परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने और परीक्षा के बाद घर लौटने में सुविधा देना है। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि प्रयागराज– झांसी स्पेशल (01821) 12 कोच वाली अनारक्षित ट्रेन 24, 29 और 31 अक्टूबर को प्रयागराज जंक्शन से रात 7रू45 बजे रवाना होगी। अगले दिन सुबह 5रू15 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पहुंचेगी। इसी प्रकार कानपुर–मथुरा स्पेशल (01823) 12 कोच वाली अनारक्षित ट्रेन 24, 29 और 31 अक्टूबर को कानपुर सेंट्रल से रात 8 बजे रवाना होगी। अगले दिन सुबह 3रू10 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी।

कानपुर–मथुरा स्पेशल से फफूंद, इटावा, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद और टूंडला समेत रास्ते के स्टेशनों से यात्रा करने वाले अभ्यर्थियों को सुविधा मिलेगी। दोनों ट्रेनें परीक्षा से एक दिन पहले अपने गंतव्य तक पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को ध्यान में रखकर चलाई जा रही हैं। अभ्यर्थियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए कानपुर सेंट्रल–फतेहपुर, इटावा– कानपुर सेंट्रल और कानपुर सेंट्रल–टूंडला समेत संबंधित रेलखंडों की कुल 9 ट्रेनों का गंतव्य विस्तार करने का प्रावधान रखा गया है। इससे जरूरत के मुताबिक यात्रियों को आगे तक जाने की सुविधा मिल सकेगी।

स्वयं सहायता समूह से सुनीता देवी ने संवारी अपनी तकदीर, 10 महिलाओं को भी दिया रोजगार

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में स्वयं सहायता समूह से जुड़कर सुनीता देवी ने स्वरोजगार की मिसाल पेश की है। मंझनपुर विकास खंड के सेयदपुर अलीपुर गांव की सुनीता देवी ने महज पांच हजार रुपये की शुरुआती आर्थिक सहायता से मिठाई और उपहारों के लिए गत्ते के डिब्बे बनाने का कारोबार शुरू किया। आज उनका यह छोटा उद्यम न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बना है, बल्कि गांव की 10 अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रहा है।सुनीता देवी ने वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण की थी। घरेलू जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की उनकी कोशिश को समूह की नियमित बैठकों, बचत और वित्तीय लेन–देन की व्यवस्था से प्रोत्साहन मिला। शुरुआती पांच हजार रुपये की सहायता से उन्होंने क्राफ्ट पेपर, गत्ता और अन्य जरूरी सामग्री खरीदी तथा अपने घर से ही डिब्बे बनाने का काम शुरू कर दिया।सुनीता देवी ने स्थानीय बाजार की जरूरत को समझते हुए इस कारोबार का चयन किया। कौशाम्बी और आसपास के कस्बों के मिठाई विक्रेताओं को पैकेजिंग सामग्री के लिए दूसरे बड़े शहरों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों से संपर्क कर उन्हें डिब्बों की आपूर्ति शुरू की। दीपावली, रक्षाबंधन, भैयादूज और शादी–विवाह के आयोजनों के दौरान मिठाई के डिब्बों की बढ़ती मांग से उनके कारोबार को गति मिली। समय पर आपूर्ति, गुणवत्ता और उचित कीमत के कारण स्थानीय व्यापारियों का भरोसा भी बढ़ा।कारोबार का विस्तार होने पर अतिरिक्त पूंजी की जरूरत पड़ी। इसके लिए जिला प्रशासन और बैंक प्रबंधन के समन्वय से स्वयं सहायता समूह को 50 हजार रुपये की नकद ऋण सीमा उपलब्ध कराई गई। इससे थोक में कच्चा माल खरीदने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली। समूह की महिलाओं ने गत्ते की कटाई, मोड़ने, चिपकाने और डिब्बों को अंतिम रूप देने जैसे काम आपसी सहयोग से बांट लिए। अब तैयार डिब्बों की आपूर्ति मंझनपुर सहित आसपास के ग्रामीण और कस्बाई बाजारों में की जा रही है।इस पहल से सुनीता देवी के साथ समूह की 10 अन्य महिलाओं को भी गांव में ही रोजगार का अवसर मिला है। उत्पादों की बिक्री से होने वाली आय में से निर्माण लागत घटाने के बाद शेष लाभ का वितरण समूह की महिलाओं के बीच पारदर्शी तरीके से किया जाता है। इससे उनके परिवारों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिल रही है और बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रहन–सहन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।सुनीता देवी का यह उद्यम केंद्र सरकार की लखपति दीदी पहल और प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप महिला सशक्तीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। आजीविका मिशन के माध्यम से महिला समूहों को वित्तीय साक्षरता, गुणवत्ता नियंत्रण और बाजार से जुड़ने में सहयोग दिया जा रहा है। समय पर ऋण चुकाने और पारदर्शी लेखा–जोखा रखने से समूह की बैंकिंग साख भी मजबूत हुई है, जिससे भविष्य में कारोबार के विस्तार की संभावनाएं बढ़ी हैं।स्थानीय स्तर पर मिठाई के डिब्बों का उत्पादन होने से व्यापारियों की दूसरे शहरों पर निर्भरता और परिवहन खर्च कम करने में भी मदद मिल रही है। सुनीता देवी की यह पहल बताती है कि सीमित पूंजी, उचित मार्गदर्शन और सामूहिक प्रयास से ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार के जरिए अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ दूसरी महिलाओं के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकती हैं।

टीजीटी-पीजीटी अभ्यर्थियों ने निकाला कैंडल मार्च, किया प्रदर्शन

प्रयागराज। टीजीटी–पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने गुरुवार रात कैंडल मार्च निकाला। इसके बाद बख्शी बांध पर बैठक कर आगे के आंदोलन की रणनीति तय की। अभ्यर्थियों ने ऐलान किया कि मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो 26 अक्टूबर को शिक्षा निदेशालय का घेराव करेंगे।अभ्यर्थियों का आरोप है कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। छात्र नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद ही अभ्यर्थियों ने अपना आमरण अनशन समाप्त किया था। जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त ने भी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया था, लेकिन अब तक पुरानी नियमावली बहाल नहीं की गई। अभ्यर्थियों को अपना पक्ष रखने का अवसर भी नहीं मिला है।

अभ्यर्थियों ने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री स्वयं आश्वासन दे चुके हैं, तो अब तक ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उनका कहना है कि ज्ळज् भर्ती से जुड़ी राहत की खबर आने के बावजूद पुरानी नियमावली की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिल रहा है। लंबे समय से संघर्ष कर रहे छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

अभ्यर्थियों ने कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने के लिए है। उन्होंने चेतावनी दी कि सकारात्मक पहल नहीं हुई तो 26 अक्टूबर को शिक्षा निदेशालय का घेराव कर आंदोलन तेज किया जाएगा।



मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर मिला प्रथम पुरस्कार

लखनऊ (आरएनएस)। मिशन कर्मयोगी के प्रभावी क्रियान्वयन और लोक सेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (उपाम) और भारत सरकार के क्षमता विकास आयोग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला में यह सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस रैंकिंग में राजस्थान को दूसरा और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर को तीसरा स्थान मिला।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि के लिए संबंधित विभागों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रशिक्षण संस्थानों को सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश की ओर से उपाम के महानिदेशक एम. देवराज, निदेशक संजय कुमार तथा अपर निदेशक एवं नोडल अधिकारी सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री से पुरस्कार ग्रहण किया।मिशन कर्मयोगी के तहत प्रदेश में प्रशासनिक क्षमता विकास और सरकारी कर्मचारियों के निरंतर प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार के आईजीओटी कर्मयोगी डिजिटल मंच पर उत्तर प्रदेश के 19.23 लाख से अधिक अधिकारी और कर्मचारी पंजीकृत हैं। इनमें 99 प्रतिशत से अधिक सक्रिय रूप से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा उन्नति पहल के तहत प्रदेश के 350 से अधिक प्रशिक्षण संस्थानों का पंजीकरण किया गया है। साधना सप्ताह, निर्भय नेत्री, निर्भय चेतना, कौशल सेतु और कौशल सारथी जैसी पहलों के माध्यम से भी लोक सेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।कार्यशाला में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों को भी सम्मानित किया गया। श्रेणी 'क' में गृह विभाग को प्रथम पुरस्कार मिला। विभाग ने एक करोड़ से अधिक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। विभाग की ओर से डीजी प्रशिक्षण राजीव अग्रवाल और डीआईजी देव रंजन वर्मा ने पुरस्कार ग्रहण किया। इसी श्रेणी में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग को दूसरा पुरस्कार प्रदान किया गया। विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा और महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सम्मान प्राप्त किया।श्रेणी 'ख' में उच्च शिक्षा विभाग को प्रथम पुरस्कार मिला। अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने विभाग की ओर से यह सम्मान ग्रहण किया। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग को इसी श्रेणी में दूसरा पुरस्कार मिला, जिसे अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने प्राप्त किया।श्रेणी 'ग' में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विभाग की ओर से प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने सम्मान ग्रहण किया। प्रशासनिक सुधार विभाग को इस श्रेणी में दूसरा पुरस्कार मिला, जिसे सचिव भूपेंद्र चौधरी ने प्राप्त किया।

सोने की ढेड़िया धारण कर भक्तों को दर्शन देंगी मां कल्याणी

प्रयागराज। ढेड़िया के पर्व पर शक्तिपीठ माँ कल्याणी देवी जी का दो दिवसीय वार्षिक महाश्रृंगार 24 एवं 25 अक्टूबर को होगा। माँ कल्याणी देवी का श्रृंगार सम्पूर्ण सोने के आभूषणों, एवं बेला, गुलाब के पुष्पों द्वारा किया जायेगा।

माँ अपने हाथों में सोनें की ढेड़िया धारण कर भक्तों की सारी विपत्ति दूर करेंगी। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि पूरे मंदिर की सज्जा दिनेश शर्मा (डी.के. आर्टीशियन) के द्वारा, फूलों, फलों एवं अनेक श्रृंगार सामग्री के द्वारा बहुत आकर्षक ढंग से की जायेगी। माँ कल्याणी के श्रृंगार का दर्शन दोनों दिन 24 एवं 25 अक्टूबर को सायं 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक भक्तों को प्राप्त होगा। माँ की महाआरती सायं 7 बजे उतारी जायेगी।

इसके अलावा माँ कल्याणी जी का महाभिषेक, षोडशोपचार पूजन पं. श्याम पाठक के द्वारा किया जायेगा, माँ का महाश्रृंगार एवं महाआरती पं. सुशील का पाठ किया जायेगा। विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा नवचंडी दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जायेगा। पंडित सुशील पाठक ने बताया कि ढेड़िया का यह श्रृंगार विगत 150 वर्षों से माँ कल्याणी जी के मंदिर में किया जाता है, उपरोक्त श्रृंगार प्रयागराज के विशिष्ट श्रृंगार में अपना स्थान रखता है।

युवती ने अमर में फांसी लगाकर दे दी जान

मां–बाप मेला देखने गए थे, लौटने पर हुई जानकारी

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के कनैला गांव में गुरुवार रात एक युवती ने कमरे में फांसी के फंदे पर लटकती मिली। मां–बाप घर पहुंचे तो दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हों सका हैं। पुलिस घटना की जांच कर रही हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनी थाना क्षेत्र के कनैला गांव निवासी राम कुशल भारतीय मजदूरी करते हैं। उनकी तीन बेटियों ने चांदनी तीसरे नंबर पर थी। चांदनी ने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा पास की थी और आगे की पढ़ाई छोड़ दी थी। गुरुवार की रात पिता और माता डांडी मेले में गए हुए थे। घर में बड़ी और छोटी बहन छत पर थीं। चांदनी अपने कमरे में अकेली थी। कमरा अंदर से बंद था। काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आई और दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला, तो बड़ी बहन को शक हुआ। बहनों ने तुरंत पड़ोसियों और रिश्तेदारों को बुलाया। इसके बाद मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पुलिस कघे फिर गई तो चौकी प्रभारी फोर्स के साथ पहुंचकर दरवाजे को तोड़वाया और शव कघे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।नैनी थाना प्रभारी ने बताया कि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, ।

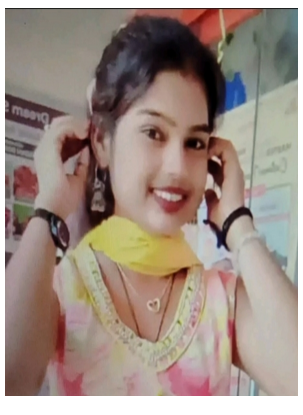

सीताकुंड चौकी क्षेत्र में पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल, मोबाइल की दुकान में लाखों की चोरी

सुलतानपुर। कोतवाली नगर के सीताकुंड पुलिस चौकी क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता न होने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। दुर्गा पूजा के दौरान एक तरफ चोर दुकानों को निशाना बना रहे हैं तो दूसरी तरफ गोपालदास पुल के पास स्थित शराब ठेके के आसपास शाम होते ही दारूबाजों का जमावड़ा लग रहा है।सुपर मार्केट में लाखों की चोरी ——शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे सुपर मार्केट स्थित मोबाइल दुकानदार सलमान को पता चला कि उसकी दुकान का ताला टूटा है। बीती रात 1 से 1रू30 बजे के बीच चोरों ने शटर को लोहे की सरिया से किनारे से उखाड़ा और अंदर घुस गए। चोरों ने दुकान से लगभग 20 से 25 नए मोबाइल फोन, ईयरबड, चार्जर और करीब 30 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। नुकसान करीब 5 से 6 लाख रुपये बताया जा रहा है।पीड़ित ने बताया कि चोर शातिर थे। साक्ष्य मिटाने के लिए दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा कपड़े से ढक दिया और डीवीआर व ई–वीआर तक निकाल ले गए।

'गोपालदास पुल के पास एवं पुलिस लाइन फ्लाई ओबर के नीचे खुले में दारूबाजी की निराला नगर चौकी इंचार्ज की निष्क्रियता पर भी सवाल–' वहीं दूसरी तरफ चौकी क्षेत्र के गोपालदास पुल के पास स्थित अंग्रेजी शराब ठेके से शराब खरीदकर लोग बगल में स्थित पार्क के पास ही गिलास, बोतल और खाने का सामान लेकर बैठ जाते हैं और खुले में शराब पीना शुरू कर देते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे वहां हमेशा किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है और परिवार के साथ पार्क में जाने वाले लोगों को असहजता होती है।स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि सीताकुंड चौकी इंचार्ज कभी क्षेत्र में भ्रमण पर नहीं आते, जिसके कारण चोरों और दारूबाजों के हौसले और बुलंद हो गए हैं। दुर्गा पूजा जैसे संवेदनशील त्योहार पर पुलिस की यह निष्क्रियता कई सवाल खड़े कर रही है। निराला नगर चौकी अंतर्गत पुलिस लाईन फ्लाई ओबर के नीचे, करौदिया चुनहा अड्डा बना हुआ है।

मीरजापुर में मंडल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन, वैज्ञानिक कुक्कुट पालन पर दिया गया जोर

मीरजापुर 23 अक्टूबर 2026- पशुपालन विभाग, विन्ध्याचल मण्डल, मीरजापुर के तत्वावधान में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में मण्डल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन किया गया।

कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि संयुक्त आयुक्त रमेश चंद्र रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर निदेशक, पशुपालन–द्वितीय डॉ. हेमलता शर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डलीय अधिकारियों द्वारा की गई तथा कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अजय कुमार दुबे ने किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और किसानों की आय को दोगुना करने में कुक्कुट पालन की अहम भूमिका है। यदि पोल्ट्री फार्मिंग को वैज्ञानिक तरीके से अपनाया जाए तो कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यह स्वरोजगार का एक सशक्त माध्यम है, जिससे युवा और किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं।



कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों द्वारा पोल्ट्री पालकों को कुक्कुट पालन से जुडधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई जिसमें उन्नत नस्लों का चयनरू अधिक अंडा और मांस उत्पादन देने वाली उन्नत प्रजातियों के बारे में बताया गया।

संतुलित आहार और फीड की गुणवत्ता पर जोर दिया गया।

मौसमी बीमारियों से बचाव, समय पर टीकाकरण और साफ–सफाई के महत्व को समझाया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय पशुधन मिशन सहित अन्य अनुदान योजनाओं और बैंक ऋण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

विन्ध्याचल मण्डल के मीरजापुर, भदोही और सोनभद्र जिलों से आए प्रगतिशील पोल्ट्री पालकों ने अपने अनुभव साझा किए और अपनी समस्याएं भी अधिकारियों के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम में लखनऊ से पधारे संयुक्त निदेशक (पोल्ट्री) डॉ. मनीष सचान ने पोल्ट्री फार्म में बायो–सिक्योरिटी के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फार्म में जैव सुरक्षा का पालन करने से ही बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है। वहीं डॉ. विजय कुमार शर्मा ने पोल्ट्री प्रबंधन के आधुनिक तौर–तरीकों के बारे में किसानों को जागरूक किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अपर निदेशक ग्रेड–फर्स्ट, मुख्यालय लखनऊ डॉ. अनिल कुमार, उप निदेशक (पोल्ट्री) लखनऊ डॉ. बृजेश त्रिपाठी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भूपेंद्र कुमार, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुभाष सिंह सहित पशुपालन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा बडधी संख्या में प्रगतिशील पोल्ट्री फार्मर गगन सिंह, विकास सेठ, सुनील पटेल सहित दर्जनों पोल्ट्री फार्मर मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने पोल्ट्री फार्मर को आश्वस्त किया कि विभाग द्वारा हर स्तर पर उन्हें तकनीकी और आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

साहित्य चेतना समाज,मीरजापुर की प्रतियोगिताएं 25 अक्टूबर को

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज, मिर्जापुर इकाई की बैठक संरक्षक डॉ नीरज त्रिपाठी के आवास पर हुई। बैठक में 25 अक्टूबर,रविवार को माँ विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय भरूहना में विभिन्न प्रतियोगिताओं की रूप रेखा पर विचार विमर्श हुआ। प्रतियोगिता प्रभारी कवयित्री सृष्टि राज ने बताया कि सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 12रू00 से 12रू45 बजे तक, निबन्ध प्रतियोगिता 01रू15 से 02रू15 बजे तक एवं चित्रकला प्रतियोगिता 02रू30 से 04रू30 बजे तक होगी। आवेदन–पत्र भरने वाले सभी प्रतिभागियों का प्रवेश–पत्र भेजा जा चुका है। यदि किसी प्रतिभागी को प्रवेश–पत्र न मिला हो तो वह प्रतियोगिता केन्द्र पर प्रतियोगिता प्रारंभ होने के आधा घंटा पूर्व सम्पर्क कर प्रवेश–पत्र की द्वितीय प्राप्त कर सकता है। साहित्य चेतना समाज बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए यह प्रतियोगिता प्रति वर्ष आयोजित करवाता है। इस वर्ष 20 से ज्यादा स्कूलों के लगभग 200 बच्चे इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता चार वर्गों में आयोजित होती है। चार से छः कक्षा तक कनिष्ठ वर्ग, सात एवं आठ कक्षा माध्यम वर्ग, नौ एवं दस कक्षा ज्येष्ठ वर्ग और ग्यारह और बारह कक्षा के छात्र वरिष्ठ वर्ग में रखे गए हैं। दिसंबर में आयोजित एक भव्य समारोह में स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र विचारित किया जायेगा।

बैठक में संस्था के सदस्य अनिल यादव, आनंद केशरी, आनंद अमित, कुलभूषण पाठक, विजय श्रीवास्तव, नंदिनी वर्मा आदि उपस्थित रहे व प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए अपने विचार रखे।

चार भाईयों पर हत्या के मुकदमा का आदेश

जौनपुर। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्वेता यादव चार सगे भाईयों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने का आदेश सरायख्वाजा पुलिस को दिया है। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के ग्राम करसावां गांव निवासनी रीता देवी पत्नी स्वर्गीय मुकेश कुमार निषाद ने न्यायलय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि 5 मई 2026 को उनके पति देवी प्रताप प्रजापति निवासी बैजापुर थाना सरायख्वाजा जो हलवाई का काम करते हैं उनके साथ खाना बनाने गयें हुए थें।दूसरे दिन सुबह लगभग 8 बजे घर से लगभग 50 मीटर की दूरी पर उनकी लाश लायलॉन की लाल रंग की रस्सी से बबूल के पेड़ से लटकी हुई थी और उनका दोनों घुटना जमीन पर सटा हुआ था। महिला के पति को गांव के ही संतोष निषाद, डब्बू निषाद, रमेश निषाद, राकेश निषाद पुत्रगण शेकर निषाद ने घटना के कुछ दिन पूर्व गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी दिया था।मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्वेता यादव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चारों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश सरायख्वाजा पुलिस को दिया है।

हादसों में युवक की मौत

जौनपुर। जिले में अलग–अलग स्थान पर हुए सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई,जब कि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।उसका उपचार वाराणसी में चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बक्शा थाना क्षेत्र के लखउवां गांव निवासी 25 वर्षीय अवधेश मौर्य पुत्र लालजी मौर्या शुक्रवार दोपहर शंभूगंज बाजार किसी कार्य वश गया हुआ था। इसी दौरान वापस आते समय बाइक के सामने अचानक से नील गाय के सामने आने से उससे टकराने के बाद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों के सहयोग से उन्हें जिला अस्पताल लाया गया। यहां पर चिकित्सकों ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। दूसरी तरफ बदलापुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर कुटिल ग्राम निवासी 27 वर्षीय मोनू माली पुत्र स्वर्गीय बुधीराम माली सुबह बाइक से सामान देने के लिए खुटहन गये हुए थे। और वापस आते समय इसी थाना क्षेत्र के ओवर ब्रिज के पास ट्रक की चपेट में आने से उनका दोनों पर कुचलने वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से 108 नंबर एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के पश्चात हालत गंभीर देखकर बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस का लक्ष्य दिल्ली वोट चोरी विरोधी महारैली में दो लाख कांग्रेसियों को जुटाने का

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' जी एवं प्रदेश प्रभारी श्री राजेंद्र पाल गौतम जी छह जोन की बैठकों के माध्यम से तैयारियों को दे रहे गति

लखनऊ, 23 अक्टूबर 2026। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली वोट चोरी के खिलाफ विशाल महारैली की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस महारैली में उत्तर प्रदेश से अधिक से अधिक कांग्रेसजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' एवं प्रदेश प्रभारी श्री राजेंद्र पाल गौतम प्रदेश के सभी छह जोन– अवध, पूर्वांचल, प्रयाग, बुंदेलखंड, ब्रज और पश्चिम की बैठकें ले रहे हैं।

इसके तहत दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को प्रयाग जोन से सम्बन्धित जनपदों के जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों/पदाधिकारियों, वर्तमान एवं पूर्व सांसदधविधायक, निवर्तमानध्पूर्व प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्षों, अ0भा0 कांग्रेस कमेटीध् प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वर्तमानध् पूर्व सदस्यों एवं पूर्व लोकसभाध् विधानसभा प्रत्याशियों की बैठक अपरान्ह 02.00 बजे शंकरलाल मेमोरियल हाल सिविल लाइन निकट फायर ब्रिगेड चौराहा प्रयागराज में, दिनांक 26 अक्टूबर 2026 को बृज जोन से सम्बन्धित जनपदों के कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक पूर्वान्ह 11 बजे शहनाई मैरेज हाल मैरिस रोड चौराहा जनपद अलीगढ़ में तथा दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को पश्चिम जोन के कांग्रेसजनों की बैठक पूर्वान्ह 11 बजे से आरचीड ग्रैन्ड लॉन, ईदगाह रोड, भूड़ा चौराहा, मुरादाबाद में आहूत की गयी है। उल्लेखनीय है कि अवध जोन, बुन्देलखण्ड जोन एवं पूर्वांचल जोन की बैठक सम्पन्न हो चुकी है। इन बैठकों में अ0भा0 कांग्रेस कमेटी के प्रभारी उ0प्र0 श्री राजेन्द्र पाल गौतम जी पूर्व मंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा'मोना' जी विधायक, उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री इमरान मसूद जी सांसद एवं सम्बन्धित जोन के अ0भा0 कांग्रेस कमेटी के सहप्रभारी प्रदेश सचिव, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री आलोक प्रसाद एवं श्री देवेन्द्र निषाद जी शामिल रहेंगे।



इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य महारैली की तैयारियों की समीक्षा करना, संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपना तथा प्रदेश के सभी जिलों से अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेसजनों की दिल्ली में भागीदारी सुनिश्चित करना है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस महारैली में प्रदेश से दो लाख कांग्रेसजनों को दिल्ली पहुंचाने का लक्ष्य निध्ारित किया है।

महारैली की तैयारियों को जमीनी स्तर पर गति देने के लिए पार्टी के सभी छह जोन के राष्ट्रीय सचिव–सह प्रभारियों को भी जिलावार जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके तहत श्री अब्दुल हन्नान को अवध जोन, श्री अभिषेक दत्त को पूर्वांचल जोन, श्री वरुण चौधरी को प्रयाग जोन, श्री जगदीश चंद्र जांगीड़ को बुंदेलखंड जोन, श्री कुणाल चौधरी को ब्रज जोन तथा श्री संजीव आर्य को पश्चिम जोन की जिम्मेदारी दी गई है। सभी सह–प्रभारी अपने–अपने निध्ारित जोन के जिलों में पहुंचकर संगठनात्मक बैठकों, जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं के समन्वय के माध्यम से महारैली में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य वोट चोरी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाना, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मताधिकार की रक्षा के लिए जनजागरण करना और इस मुद्दे पर व्यापक जनसमर्थन जुटाना है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि लोकतंत्र में जनता के मत की पवित्रता सर्वोपरि है और मताधिकार की रक्षा के लिए व्यापक जनभागीदारी आवश्यक है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश के सभी जिला, शहर, ब्लॉक एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, अग्रिम संगठनों, विभागों, प्रकोष्ठों तथा समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है कि वे महारैली की तैयारियों में पूरी सक्रियता से जुटें और दिल्ली के रामलीला मैदान में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अभियान को मजबूती प्रदान करें।

मेडिकल कालेज में डिजिटल पर्ची व्यवस्था शुरू, मरीजों का डाटा होगा आनलाइन

सुलतानपुर। राजकीय मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में डिजिटल पर्ची व्यवस्था की शुरुआत हो गई है। प्राचार्य प्रो. डॉ. हरेंद्र कुमार की पहल पर शुरू हुई इस व्यवस्था से मरीजों का पंजीकरण ऑनलाइन होगा और मैनुअल रिकॉर्ड पर निर्भरता कम होगी। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी, जिला अस्पताल की इमरजेंसी और अमहट स्थित ट्रामा सेंटर में डिजिटल पर्ची व्यवस्था लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डिजिटलाइजेशन के तहत मरीजों का विवरण ऑनलाइन दर्ज किया जाएगा। इससे मरीजों के रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने, आंकड़ों का संकलन करने और जरूरत पड़ने पर जानकारी उपलब्ध कराने में आसानी होगी। साथ ही अस्पताल में मरीजों की संख्या और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित आंकड़े डिजिटल रूप में उपलब्ध होने से प्रशासनिक कार्यों में भी सहूलियत मिलेगी। इस व्यवस्था का लाभ केवल मरीजों के पंजीकरण तक सीमित नहीं रहेगा। अस्पताल के डिजिटल आंकड़ों और ऑनलाइन रिकॉर्ड के बेहतर प्रबंधन से शासन को आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने, योजनाओं के क्रियान्वयन और शासन से मिलने वाली धनराशि एवं अन्य सुविधाओं से संबंधित प्रक्रियाओं में भी सहूलियत मिलने की उम्मीद है। डिजिटल रिकॉर्ड से अस्पताल की कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए पुराने कंप्यूटरों को दुरुस्त करने



और पंजीकरण काउंटरों को व्यवस्थित करने की कवायद भी शुरू की गई है। मरीजों को पंजीकरण के दौरान आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा, ताकि उनकी पहचान और संबंधित विवरण दर्ज करने में सुविधा हो सके। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की इस पहल को स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद वाराणसी खंड स्नातकधशिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 सकुशल संपन्न

जिले में स्नातक के 42.93 एवं शिक्षक के 71.704 प्रतिशत मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार गंगवार ने विभिन्न बूथों का भ्रमण कर लिया जायजा, कानून व्यवस्था रही चुस्त-दुरुस्त

मीरजापुर 23 अक्टूबर 2026– उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खंड के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 का मतदान जनपद में आज शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सकुशल संपन्न हो गया। जिले में कुल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 71.704 प्रतिशत और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में स्नातक के 42.93 प्रतिशत मतदान हुआ।



प्रातः 8 बजे से मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ होकर शाम 4 बजे तक चली। सुबह के समय बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं। बुजुर्ग स्नातक और शिक्षक मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। कई मतदान केंद्रों पर पहली बार वोट डालने वाले युवा स्नातकों में भी जबरदस्त उत्साह रहा। मतदान को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, वेबकास्टिंग और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

जिलाधिकारी ने किया बूथों का निरीक्षण

मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार स्वयं सुबह से ही भ्रमण पर रहे। उन्होंने नगर पालिका अन्तर्गत घंटाघर के बूथ संख्या 99, 224, व 225 पर, क्षेत्र पंचायत कोन के बूथ संख्या 97 व 221, क्षेत्र पंचायत सिटी के बूथ संख्या 226 व 226''अ'', क्षेत्र पंचायत लालगंज के बूथ संख्या 102 व 230 तथा क्षेत्र पंचायत पटेहरा के बूथ संख्या 104 व 232 पर पहुंच कर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदाताओं से वार्ता कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और मतदान कार्मिकों को निर्देश दिया कि मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। विकास खंड कोन में अधिक कतर कतारबद्ध मतदाताओं को देख मतदान कार्मिकों को मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आयोग के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जाए।

अपर जिलाधिकारी भी रहे भ्रमणशील

शांति व्यवस्था के दृष्टिगत मुख्य विकास अधिकारी विजय कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी विनोद कुमार सिंह व मुख्य राजस्व अधिकारी विजेता व नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह सहित सभी उप जिला मजिस्ट्रेटगण भी अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहे। इसके अतिरिक्त सभी मतदान केन्द्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट व पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल भी तैनात रहे। जनपद में कहीं भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हुआ। मतदान समाप्त होने के बाद सभी मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्ट्रांग रूम में जमा करा दिया गया है। स्ट्रांग रूम के बाहर सुरक्षा व्यवस्था लगाई गई है और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि मतदान में लगे सभी कार्मिकों, पुलिस कर्मियों और मतदाताओं का सहयोग सराहनीय रहा, जिसके चलते चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सका। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। मतगणना वाराणसी में निर्धारित तिथि को होगी।

बल्दीराय में शिक्षक एमएलसी चुनाव का मतदान शांतिपूर्ण, 83.53 प्रतिशत मतदाताओं ने डाले वोट

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय ब्लॉक परिसर स्थित मतदान केंद्र पर शुक्रवार को शिक्षक एमएलसी चुनाव का मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कुल 255 मतदाताओं में से 213 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि 42 मतदाता मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचे। इस तरह केंद्र पर 83.53 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मुस्तैद रहा और पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक निगरानी में संपन्न हुई। मतदान के आंकड़ों के अनुसार, कुल 213 मतदाताओं में 173 पुरुष और 40 महिला मतदाता शामिल रहीं। मतदान केंद्र पर सुबह से ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरती गई। पुलिसकर्मी केंद्र के आसपास तैनात रहकर आवागमन पर नजर बनाए रहे, जिससे मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रही। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में जुटी रही पुलिस थाना प्रभारी इं० महेंद्र प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ मतदान केंद्र पर लगातार निगरानी करते रहे। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी सक्रिय रहे। केंद्र पर किसी प्रकार की अव्यवस्था या व्यवधान की सूचना नहीं मिली और मतदाताओं ने शांतिपूर्ण माहौल में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। प्रशासन और पुलिस की सतर्कता के बीच मतदान प्रक्रिया सकुशल संपन्न हुई। बल्दीराय मतदान केंद्र पर शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होना सुरक्षा व्यवस्था और सतत निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा।



हादसे में घायल इंस्पेक्टर की मौत

जौनपुर। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के जमालापुर के पास स्थित अटरिया गांव के पास बीते 10 मई को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल सीआईएसएफ इंस्पेक्टर की गुरूवार को इलाज के दौरान मौत हो गई है। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है।मृतक सीआईएसएफ इंस्पेक्टर की पहचान बरसठी क्षेत्र के घाटमपुर गांव निवासी 43 वर्षीय विपिन निगम के रूप में हुई है। सीआईएसएफ इंस्पेक्टर विपिन अहमदाबाद में तैनात थें। बीते 10 मई को छुट्टी मिलने पर वह अपने घर पर आए हुए थें। यह घटना तब हुई जब विपिन अपने घर से निकल कर किसी काम से कहीं जा रहें थें। जब वह जमालापुर के अटरियां के पास पहुंचे तो सड़क दुर्घटना का शिकार होकर गंभीर रूप से घायल हो गए थें।वाराणसी में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें पीजीआइ और फिर लखनऊ के मेंदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लंबे समय से उनका इलाज चल रहा था। गुरूवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के परिवार में उनकी पत्नी, बेटा और एक बेटी है। शुक्रवार को घाटमपुर गांव से उनकी पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए लाया गया जहां पर सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी ले जाया गया।

पिकअप गड्ढे में पलटी

जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के सरायूसुफ गाँव के पास टेंट का सामान लादकर जा रही अनियंत्रित पिकअप के सड़क के गड्ढे में पलटने से चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। इसी क्षेत्र के बरहता गाँव निवासी 24 वर्षीय चंदन पुत्र राम प्रसाद भरत मिलाप के संपन्न होने के बाद अपनी पिकअप पर टेंट का सामान लादकर उसे पहुंचाने जा रहा था कि उसी दौरान पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे स्थित गड्ढे के कारण पलट गई।टेंट लदे वाहन के पलटने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी भेजा गया। डॉक्टरों ने युवक की हालत को गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्य प्रभाग' गठित

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षण, अधिगम और समग्र शैक्षिक प्रशासन को सुदृढ़, परिणामोन्मुख व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 'शैक्षणिक कार्य प्रभाग' का गठन कर विस्तृत कार्य व दायित्व निर्धारित किए गए हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक योजना, पाठ्यचर्या सुधार, प्रवेश व शैक्षणिक प्रशासन में समन्वय के लिए उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 24 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

दिल्ली में बैठे बैठे मोदी ने इराक में कर दिया खेल, प्दकपं के पास अब तेल ही तेल

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है।दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर–शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि इराक से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है। देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025–26 में इराक ने भारत को 4.711 करोड़ मीट्रिक टन कच्चा तेल उपलब्ध कराया। यह भारत के कुल तेल आयात के मूल्य का



लगभग 19.16 प्रतिशत था। रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इराक भारत के लिए कोई मामूली या वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की ऊर्जा व्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। भारतीय तेल कंपनियां इराक से नियमित रूप से तेल खरीदती हैं और इस व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होते हैं।अक्टूबर 2026 की खरीदरू क्यों चर्चा में आया इराक का तेल?इराक से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि अगस्त में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक समीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य–पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियां उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है। देसीउत्पाद खोजेंइस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने इराक के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम क्रूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया। यह उदाहरण उस मूल सिद्धांत को सामने लाता है जिस पर भारत की ऊर्जा रणनीति आधारित होनी चाहिए। यानि जहां बेहतर आर्थिक शर्तें मिलें, वहां से तेल खरीदने के विकल्प खुले रखे जाएं।वैश्विक बाजार पर क्या पड़ता है इसका असर?देखा जाये तो तेल बाजार में भारत जैसे बड़े खरीदार का निर्णय केवल उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। भारत प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। इसलिए यदि भारतीय कंपनियां रूस के बजाय इराक या दूसरे मध्य–पूर्वी उत्पादकों से अधिक तेल खरीदती हैं, तो अलग–अलग तेल ग्रेड की मांग, व्यापारिक प्रवाह और क्षेत्रीय मूल्य प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। सितंबर 2026 में मध्य–पूर्व से भारत का कुल तेल आयात बढ़कर लगभग 28 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया। यह भारत के कुल तेल आयात का लगभग 54 प्रतिशत था। बताया जा रहा है कि मध्य–पूर्वी तेल की बेहतर उपलब्धता और रूसी तेल पर घटते मूल्य–लाभ ने इस बदलाव में भूमिका निभाई। देसीउत्पाद खोजें हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक से ज्यादा तेल खरीदते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें गिर जाएंगी। वैश्विक कीमतों पर ओपेक की उत्पादन नीति, युद्ध, समुद्री परिवहन, मांग और आपूर्ति जैसे कई कारक असर डालते हैं। लेकिन भारत का विविध स्रोतों से खरीदना आपूर्तिकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और अपने लिए बेहतर सौदे हासिल करने में मदद कर सकता है।यहां सवाल उठता है कि इस सबसे भारत को क्या फायदा हो सकता है? देखा जाये तो पहला फायदा है आयात लागत में बचत। अगर किसी खेप का वास्तविक पहुंच–मूल्य अन्य विकल्पों की तुलना में कम पड़ता है, तो भारतीय कंपनियों का खर्च घट सकता है। इसका लाभ रिफाइनरियों के मुनाफे और व्यापक अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ पेट्रोल–डीजल के खुदरा दामों में कितना पहुंचेगा, यह करों, रिफाइनिंग लागत और सरकारी मूल्य निर्धारण जैसे दूसरे कारकों पर भी निर्भर करता है।दूसरा फायदा है रणनीतिक स्वतंत्रता। भारत को रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जरूरत के अनुसार अन्य उत्पादकों से तेल खरीदने के विकल्प बनाए रखने चाहिए। इससे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम होती है और प्रतिबंधों या आपूर्ति संकट की स्थिति में विकल्प उपलब्ध रहते हैं। तीसरा फायदा है भारत की सौदेबाजी की ताकत। जब भारतीय रिफाइनरियां कई बाजारों से खरीद सकती हैं, तो किसी एक आपूर्तिकर्ता की शर्तों को स्वीकार करना उनकी मजबूरी नहीं रह जाता। लेकिन इस लाभ को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, तेल की गुणवत्ता, परिवहन बीमा और भुगतान व्यवस्था का भी ध्यान रखना जरूरी है।इसके अलावा, इराक से प्रतिस्पर्धी शर्तों पर तेल खरीदना और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद भारत के हितों को सर्वोपरि रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा रणनीति का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। दुनिया भर की सरकारें तेल की बढ़ती कीमतों और उसके आर्थिक बोझ से जूझ रही हैं, वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय उथल–पुथल के बीच पेट्रोल–डीजल की घरेलू कीमतों में लगभग स्थिरता बनाए रखकर आम जनता को बड़ी राहत देने की कोशिश की है। रूस हो, इराक हो या कोई दूसरा तेल उत्पादक देश, भारत का जोर इस बात पर रहा है कि तेल जहां से भी मिले, उसकी खरीद देश के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जाए। यही मोदी सरकार की रणनीति की खासियत है कि वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बेहतर विकल्प तलाशना और अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव को सीधे आम आदमी की जेब पर हावी न होने देना। जब दुनिया के कई देश महंगे तेल की चुनौती से जूझ रहे हैं, तब भारत में कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखना मोदी सरकार की ऊर्जा नीति की एक अहम उपलब्धि के रूप में पेश किया जा सकता है।हालांकि इराक से तेल खरीदने में जोखिम भी हैं। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और आपूर्ति में संभावित बाधाएं भारत के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। इसलिए सस्ता तेल तभी वास्तविक रणनीतिक लाभ है, जब उसकी आपूर्ति भरोसेमंद और आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो।बहरहाल, दुनिया भारत की रूस से तेल खरीद पर नजर रखे या वेनेजुएला से संभावित खरीद पर बहस करे, भारत की ऊर्जा नीति का मूल्यांकन व्यापक तस्वीर के आधार पर होना चाहिए।

सम्पादकीय

डिजिटल प्रशासन की मजबूत पहल 38 विभागों की 939 सेवाएं एक मंच पर

छत्तीसगढ़ में सुशासन को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा सेतु का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति दिलाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन की पहुंच में लाना है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन और जनता के बीच की दूरी कम करने वाली यह व्यवस्था नागरिक–केंद्रित प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सेवा सेतु के माध्यम से प्रदेश में 38 विभागों की 939 सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सेवाओं के संचालन के लिए 16 हजार 773 सेवा केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया गया है। अब तक सेवा सेतु में ऑनलाइन प्राप्त 55 लाख 13 हजार 672 आवेदनों पर कार्यवाही जारी है। इस व्यवस्था से 21 हजार 582 अधिकारी–कर्मचारी ऑनबोर्ड होकर सेवाओं के संचालन में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ये आंकड़े प्रदेश में डिजिटल माध्यम से नागरिक सेवाओं को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाते हैं।सेवा सेतु की प्रमुख विशेषता यह है कि नागरिकों को अनेक आवश्यक शासकीय सेवाओं के लिए एक ही मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन तथा गुमास्ता लाइसेंस सहित विभिन्न सेवाओं के लिए इस व्यवस्था के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इससे नागरिकों को अलग–अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता कम होती है और आवेदन प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनती जा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है, जहां छोटी–छोटी शासकीय प्रक्रियाओं के लिए भी लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।सेवा सेतु का उद्देश्य केवल ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि शासकीय सेवाओं के वितरण को अधिक व्यवस्थित और जवाबदेही बनाना भी है। डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से आवेदनों की स्थिति पर नजर रखने, संबंधित अधिकारियों तक आवेदन पहुंचाने और सेवाओं के क्रियान्वयन को व्यवस्थित करने में सहायता मिलती है। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मजबूती मिलती है। राज्य सरकार की यह पहल डिजिटल सुविधाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ–साथ तकनीक के उपयोग को जनहित से जोड़ती है। सेवा केंद्रों के माध्यम से उन नागरिकों को भी आवेदन करने में सहायता मिल सकती है, जिन्हें ऑनलाइन प्रक्रियाओं की जानकारी या मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इस प्रकार डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवा केंद्रों का समन्वय नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। सेवा सेतु इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए शासन की प्रक्रियाओं को सरल बनाने, सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और प्रशासन को अधिक नागरिक–केंद्रित बनाने का माध्यम बन रहा है। सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और नागरिकों में डिजिटल सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने से इस पहल की उपयोगिता और अधिक मजबूत हो सकती है। इसका मूल उद्देश्य है कि सुशासन का लाभ प्रदेश के जन–जन तक पहुंचे और सरकारी सेवाओं को आम नागरिक के लिए सरल, सुलभ एवं पारदर्शी बनाना है।

आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरप्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल है। परिवर्तन की यह बयार ग्रामीण क्षेत्रों में आमूलचूल बदलाव लेकर आ रही है। इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में दूर दराज क्षेत्रों तक पक्के आवास दिखाई देने लगे हैं और व्यापक पैमाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का कारगर असर दिखाई दे रहा है। ऐसे परिवर्तन के बहुत मायने हैं। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर जनमानस के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी है। राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के बेहतरीन क्रियान्वयन करने के लिए शिद्दत से कोशिश की गई है। जिंदगी भर अपने पक्के आवास का सपना देखने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवार थोड़ी–थोड़ी बचत करते हैं लेकिन फिर भी अपना पक्का घर बनाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। ऐसे में जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का संबल मिला तो उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने का हौसला मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकहितैषी योजनाओं से जनसामान्य को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं। पक्का आवास मिलने पर जनसामान्य को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सम्मानजनक जीवन जीने का आधार मिला है। प्रथम कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने को निर्णय लिया ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना का दिखाई दे रहा कारगर असरगया। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हुए है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। आत्मसमर्पित नक्सल और नक्सल पीड़ितों के लिए विशेष परियोजना से 15000 आवासों की स्वीकृति केंद्र शासन से मिली।

जानलेवा होती हवा सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

दिल्ली–एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक–दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली–एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर–नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।दिल्ली–एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक–दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है।यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं। सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर–अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा।प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है।

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी

देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे।मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009–14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।

राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग

छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खारसिया–नया रायपुर–परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता–मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी।

बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट–जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल–कोत्तागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली–बीजापुर–किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा–रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा–किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजना

प्रस्तावित कटघोरा–डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएं

सरडेगा–पत्थलगांव–अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़–पत्थलगांव–लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर–बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर को भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूर किए जाने की संभावना है।

राशिफल

मेष राशि –
यात्रा भय, कष्ट, व्यापार बाधा, लाभ पारिवारिक समस्या, उलझन भरी रहेगी, ध्यान रखे

वृष राशि –
राज भय रोग स्वजन सुख शिक्षा व लेखन कार्य में सफलता व प्रगति होगी

मिथुन राशि–
वाहन भय, मातृ–पितृ कष्ट, हानि, व्यर्थ तनाव, अनाप–सनाप खर्च से परेशानी हो।

कर्क राशि –
सफलता, उन्नति, शुभ–कार्य, विवाद, उद्योग–व्यापार में उच्च की स्थिति बन सकेगी।

सिंह राशि–
शरीर कष्ट, उत्तम व्यय, खर्च, सफलता, व्यवस्था में साधारण लाभ हो सकेगा।

कन्या राशि–
खर्च, विवाद, स्त्री–कष्ट, विद्या लाभ, कुछ अच्छे कार्य भी होंगे तथा संतान प्राप्त होगी।

तुला राशि–
यात्राऐं, हानि, राजभय, लाभ, शरीर कष्ट, व्यापार में सुधार, प्रगति की संभावना है।

वृश्चिक राशि–
वृत्ति से लाभ, यात्रा, सम्पति लाभ, कारोबार में उतार–चढ़ाव की स्थिति रहेगी।

धनु राशि
– अल्प–लाभ, शरीर कष्ट, चोट आदि का भय है, शिक्षा की स्थति ठीक रहेगी।

मकर राशि
– शत्रु से हानि होने की संभावना है, शरीर सुख, उद्योग–व्यापार के लिए प्रयास करें।

कुंभ राशि
– लोगों से मेल–मिलाप के पश्चात भी कार्य अवरोध तथा बेचौनी अवश्य ही बनेगी।

मीन राशि
– पदोन्नति, राजभय, न्याय, लाभ–हानि, व्यय, जीवन संतोष जनक होगा।

विज्ञान टीएलएम प्रतियोगिता में शिक्षकों ने प्रदर्शित किए नवाचारी मॉडल

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार को विज्ञान टीएलएम (शिक्षण–अधिगम सामग्री) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 45 शिक्षकों ने प्रतिभाग कर विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को सरल, रोचक और प्रयोगात्मक तरीके से समझाने वाले मॉडल प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के माध्यम से कक्षा शिक्षण में नवाचार और गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। प्रतियोगिता में शिक्षकों ने श्वसन तंत्र, उत्सर्जन तंत्र, पाचन तंत्र, गति, ध्वनि एवं तरंग, प्रकाश संश्लेषण तथा प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन सहित विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आधारित टीएलएम का प्रदर्शन किया। इन मॉडलों के जरिए बच्चों को कठिन वैज्ञानिक अवधारणाएं सहजता से समझाने और शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के तरीकों को प्रस्तुत किया गया।प्रतियोगिता में बहादुरपुर विकासखंड के योगेश सिंह तोमर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। परशुरामपुर के अनूप कुमार द्विवेदी द्वितीय और बनकटी के अनुपम मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, गौर के संदीप वर्मा और परशुरामपुर के बृजेश कुमार को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में अलीउद्दीन खान, डॉ. गोविंद प्रसाद एवं कुलदीप चौधरी शामिल रहे। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि विज्ञान शिक्षण को प्रभावी बनाने में टीएलएम की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके माध्यम से बच्चे कठिन वैज्ञानिक अवधारणाओं को देखकर, समझकर और प्रयोग करके आसानी से सीख सकते हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं शिक्षकों को नवाचार के लिए प्रेरित करने के साथ उनके अनुभवों को साझा करने का अवसर देती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक कक्षा शिक्षण में गतिविधि आधारित पद्धतियों और स्थानीय संसाधनों से तैयार शिक्षण सामग्री का अधिकाधिक उपयोग करें। डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्रनाथ त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षण–अधिगम सामग्री के माध्यम से विज्ञान की अवधारणाओं को अधिक स्पष्ट और प्रभावी ढंग से समझाया जा सकता है। इससे बच्चों में विषय के प्रति रुचि बढ़ती है और सीखने की प्रक्रिया सरल बनती है।कार्यक्रम की नोडल प्रवक्ता सरिता चौधरी ने कहा कि जब शिक्षक कक्षा शिक्षण के दौरान विज्ञान की अवधारणाओं पर आधारित मॉडल बच्चों से बनवाते हैं, तो वे केवल विषय को समझने में ही सक्षम नहीं होते, बल्कि उनमें वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और प्रयोग करने की प्रवृत्ति भी विकसित होती है।

अवर अभियन्ता लघु सिंचाई परवेन्दर सिंह के स्थानान्तरण और कार्य मुक्ति के पत्र सौंपे जाने के बाद धरना स्थगित

बस्ती। लघु सिंचाई विभाग में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरोध में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के मण्डल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। धरने के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर शासनादेश का अनुपालन नहीं करने और मामले में लापरवाही बरतने के आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों की ओर से मिले आश्वासन और अवर अभियन्ता लघु सिंचाई परवेन्दर सिंह के स्थानान्तरण और कार्य मुक्ति के पत्र सौंपे जाने और जांच के आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया गया।गुरूवार को धरनास्थल पर मामले के समाधान के लिए अधिशासी अभियंता हरिओम सिंह की ओर से चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भेजा गया। प्रतिनिधिमंडल में अजय कुमार, श्रीप्रकाश चौधरी, सुजीत गुप्ता और अशरफ शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से परविंदर सिंह के स्थानांतरण और उनके कार्यकाल में किए गए कार्यों की जांच के लिए कमेटी गठित करने तथा एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कराने का आश्वासन दिया गया। अधिकारियों की ओर से मिले आश्वासन और पत्र देने के बाद ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने अनिश्चितकालीन धरना स्थगित कर दिया।ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने कहा कि यदि निर्धारित समय में जांच पूरी कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को फिर से तेज किया जाएगा।धरने को स्थगित करने के दौरान मुख्य रूप से लालमणि शर्मा, भैया लाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एमएलसी चुनाव आज, 45,213 मतदाता करेंगे प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला

सीतापुर। लखनऊ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। जिले में 45,213 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुरुवार को शहर के आरएमपी डिग्री कॉलेज से पोलिंग पार्टियों को मतदान सामग्री के साथ निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इस दौरान डीएम डॉ. राजा गणपति आर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।21 केंद्रों पर होगी वोटिंग, वेबकास्टिंग से निगरानीसीतापुर। जिले के 19 ब्लॉकों में कुल 21 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर 72 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए सभी केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। इसके जरिए अधिकारी मतदान की गतिविधियों की निगरानी करेंगे। प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, ताकि मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ किसी भी समस्या से तत्काल निपटा जा सके।40,600 स्नातक और 4,613 शिक्षक मतदातासीतापुर। एमएलसी चुनाव में जिले के कुल 45,213 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 40,600 स्नातक और 4,613 शिक्षक मतदाता शामिल हैं। प्रशासन ने चुनाव ड्यूटी में लगाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय पर जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए हैं।निष्पक्ष मतदान कराने पर जोरसीतापुर।

डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने बताया कि सभी पोलिंग पार्टियों को आवश्यक मतदान सामग्री उपलब्ध कराकर रवाना किया गया है। मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग समेत सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

संगोष्ठी में जन सरोकारों के विभिन्न पहलुओं पर विमर्श

बस्ती। प्रभावती पल्टूराम मानव सेवा संघ ट्रस्ट की ओर से एनएच–27 स्थित फ्रेश फूड किंग रेस्टोरेंट, रजौली, संसारीपुर में जन सरोकारों के विभिन्न पहलुओं पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, चिकित्सकों, समाजसेवियों और गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। विचार–विमर्श में आये निष्कर्षों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।ट्रस्ट की अध्यक्ष कृष्णावती, संरक्षक डॉ. सी. एम. पटेल तथा सदस्य इंद्रावती प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। किलकारी हॉस्पिटल के नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ तथा ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. सी. एम. पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया।संगोष्ठी में इंजीनियर चंद्रशेखर वर्मा, समाजसेवी संजय चौधरी, बसंत चौधरी, सुखराम पटेल, इंजीनियर के. एम. पटेल, डॉ. नीतू वर्मा, डॉ. राजेश पटेल, डॉ. जे. के. कटियार, डॉ. संजय कुमार, लकी चौधरी, सत्य चौधरी, संजना, सीमा, निशा, अर्चना, रिया पटेल तथा समाजसेवी रामपाल चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आपसी सौहार्द के बीच विचारों का आदान–प्रदान किया। संगोष्ठी में विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ सामाजिक सहभागिता और आपसी समन्वय की भावना देखने को मिली। अतिथियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बना रहा।

आवासीय कालोनियों में दुकान खोलने की अनुमति देने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बस्ती। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों, व्यापारियों ने जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर आवासीय कॉलोनियों में दुकान खोलने की अनुमति देने, विकसित बाजारों को नियमित करने और ध्वस्तीकरण से प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास की मांग की। प्रदेश उपाध्यक्ष और बस्ती मण्डल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह 'मनोज' ने बताया कि विकास प्राधिकरण एवं आवास विकास परिषद की कॉलोनियों में पर्याप्त बाजारों की व्यवस्था नहीं होने के कारण व्यापारियों ने अपने स्तर पर बाजार विकसित किए। अब आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों और कथित अवैध निर्माण के नाम पर सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण के नोटिस जारी होने से व्यापारियों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया ने कहा कि आवासीय भवनों में दुकान खोलने की अनुमति देने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए। व्यापारी बिजली बिल, हाउस टैक्स, जीएसटी और आयकर के माध्यम से सरकार को राजस्व देते हैं, इसके बावजूद उनके हितों की अनदेखी की जा रही है। जिला महामंत्री आलोक दुबे एवं युवा जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि ज्ञापन में विकसित बाजारों एवं कॉलोनियों को नियमित करने, ध्वस्तीकरण से प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास तथा अवैध निर्माण के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर दोषियों को दंडित करने के लिए कानून बनाने की मांग की गई है। व्यापारियों ने मुख्यमंत्री से इस मामले में शीघ्र उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया।ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला संगठन महामंत्री भरत राम अग्रहरी 'बबलू', जिला कोषाध्यक्ष महेन्द्र गुप्ता, नगर अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप, नगर महामंत्री धीरेंद्र चौधरी, नगर संगठन महामंत्री डॉ. प्रदीप सिंह, युवा महामंत्री सत्य प्रकाश दुबे, जिला संगठन मंत्री संजय गुप्ता, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना वर्मा, जिला महामंत्री गीता देवी, जिला कोषाध्यक्ष राजेश्वरी शर्मा, रावेश श्रीवास्तव, सुजीत कुमार गुप्ता, आकाश सोनी, अवधेश निषाद, सत्यम सिंह, मोहम्मद फुरकान, मोहम्मद नदीम, अली हुसैन, अश्विन कुमार, शुभम कुमार, सुखसागर, नितिन श्रीवास्तव, उज्ज्वल श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, रजनीश कुमार और त्रिलोकी नाथ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

त्योहारों पर मिठाई के नाम पर सेहत से खिलवाड़! संदना के 'गुरु कैटर्स' पर सड़ी मिठाई बेचने का आरोप

संदना/सीतापुर। त्योहारों का मौसम है, मिठाइयों की मांग बढ़ रही है और इसी बीच सड़ी मिठाई बेचने का आरोप सामने आया है। संदना क्षेत्र में मिश्रिख–सिधौली मार्ग पर ब्लॉक मोड़ के पास स्थित 'गुरु कैटर्स' को लेकर एक ग्राहक ने गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि दुकान से खरीदी गई मिठाई घर पहुंचने पर पुरानी और सड़ी हुई मिली। शिकायतकर्ता का कहना है कि मिठाई वापस करने पहुंचने पर दुकानदार ने उसे बदलने से इनकार कर दिया और विरोध करने पर गाली–गलौज व अभद्र व्यवहार किया! स्थानीय निवासी विजय त्रिपाठी ने इस मामले की शिकायत जनसुनवाई पोर्टल पर पंजीकरण संख्या हत दर्ज कराई है। शिकायत में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन से जांच कराने की मांग की गई है। आरोप है कि मिठाई की खराब हालत सामने आने के बाद भी दुकानदार ने ग्राहक की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया।

मंगलगीतों की गूंज के बीच 163 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

अयोध्या। कहीं वैदिक मंत्रों की गूंज, कहीं मंगलगीतों की मधुर धुन और कहीं अपनों के आशीर्वाद से नम होती आंखें। पूरा बाजार ब्लॉक मुख्यालय रविवार को उस भावुक पल का साक्षी बना, जब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 163 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधकर जीवन की नई राह पर आगे बढ़े। समारोह में दो मुस्लिम जोड़ों का निकाह उनकी धार्मिक परंपराओं और रीति–रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। एक ही आयोजन में अलग–अलग परंपराओं के बीच विवाह की खुशियों ने सामाजिक समरसता और आपसी सद्भाव का संदेश दियज्ञं नवविवाहित जोड़ों के चेहरों पर नए जीवन के सपने थे तो परिजनों की आंखों में खुशी और संतोष की चमक। विवाह की रस्मों के बीच जब वर–वधू ने एक–दूसरे का हाथ थामा, तो उनके साथ आए परिवारों ने भी इस नई शुरुआत को आशीर्वाद दिया। अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष एवं भाजपा महानगर महामंत्री शिवेन्द्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने नवदंपतियों को शुभाशीष देते हुए उनके सुखमय दांपत्य जीवन की कामना की।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से सरकार जरूरतमंद परिवारों को बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग उपलब्ध करा रही है। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े के लिए एक लाख रुपये की सहायता का विवरण दिया गया। इसमें कन्या के बैंक खाते में सीधे 64 हजार रुपये, विवाह के उपरांत उपहार एवं सामग्री 21 हजार रुपये तथा विवाह आयोजन पर 15 हजार रुपये शामिल हैं। इस सहायता से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह के खर्च में राहत मिलती है और बेटियों के नए जीवन की शुरुआत में सहयोग मिलता ळें विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना केवल विवाह संपन्न कराने का माध्यम नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के सम्मान और बेटियों के बेहतर भविष्य से जुड़ी पहल है। आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी परिवार की खुशियां अधूरी न रहें, इसके लिए सरकार सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने नवदंपतियों से आपसी प्रेम, विश्वास और सम्मान के साथ गृहस्थ जीवन को आगे बढ़ाने की अपील की। शिवेन्द्र सिंह ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना जरूरतमंद परिवारों को संबल देने के साथ सामाजिक समरसता को मजबूत करती है। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण जीवन की शुभकामनाएं दीं। मौके पर क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य अच्छेलाल निषाद, नंद कुमार सिंह, रामजीत निषाद, अनूप वर्मा, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र, राजेश पाण्डेय, शोभा राम वर्मा, सुरेश तिवारी, अजय सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा पाण्डेय, बीडीओ पूरा बाजार अनुराग सिंह, क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व बडी संख्या में नवविवाहित जोड़ों के परिजन मौजूद रहे।

मां दुर्गा के दरबार में शीश नवाकर राजीव तिवारी ने मांगा आशीर्वाद, 2027 के लिए जनता से किया संवाद

रुदौली–अयोध्या। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर दुर्गा पूजा पंडालों और रामलीला स्थलों पर धार्मिक आयोजनों की धूम है। इसी क्रम में जिला उपाध्यक्ष एवं मवई ब्लॉक प्रमुख प्रशासक राजीव तिवारी ने शनिवार को रुदौली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए। उन्होंने पूजा पंडालों में मत्था टेककर क्षेत्र की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भैरवधाम में आयोजित रामलीला के दौरान रामदरबार की आरती में भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए जनआशीर्वाद एवं सहयोग की अपेक्षा जताई। राजीव तिवारी अपने समर्थकों के साथ श्री चंद्रदेव आदर्श रामलीला समिति, भैरवधाम रुदौली और ख्वाजाहाल रामलीला समिति सहित बाबा बाजार,उमापुर,रतनपुर और मखदूमपुर के दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचे। विभिन्न स्थानों पर आयोजित जगरातों और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर उन्होंने पूजा–अर्चना की तथा श्रद्धालुओं को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। पूजा समितियों के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने आयोजकों से मुलाकात कर धार्मिक आयोजनों के महत्व पर चर्चा की और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित रखने में उनके योगदान की सराहना की। भैरवधाम में आयोजित रामलीला कार्यक्रम के दौरान राजीव तिवारी रामदरबार की आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र और राजीव तिवारी को समिति के सदस्यों ने सम्मानित किया। रामलीला में भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा के संदेश को आत्मसात करने की प्रेरणा भी देखने को मिली। राजीव तिवारी ने कहा कि दुर्गा पूजा और रामलीला भारतीय संस्कृति,आस्था और परंपरा के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन समाज में आपसी सद्भाव,भाईचारे और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और भगवान श्रीराम के आदर्शों से परिचित होने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की आराधना शक्ति,साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देती है। ऐसे पावन अवसरों पर मां के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख–शांति, समृद्धि और सर्वांगीण विकास की कामना करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने धार्मिक आयोजनों के सफल संचालन में जुटे आयोजकों और स्थानीय लोगों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह,विश्वास और आशीर्वाद किसी भी जनसेवक की सबसे बड़ी ताकत है। क्षेत्र के लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं,अपेक्षाओं और भावनाओं को समझना तथा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से निरंतर संवाद बनाए रखने और सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने की बात कही। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर रुदौली क्षेत्र के विभिन्न धार्मिक आयोजनों में राजीव तिवारी की सहभागिता को जनसंपर्क के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूजा समितियों के पदाधिकारियों,आयोजकों और श्रद्धालुओं से मुलाकात के दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से स्नेह,आशीर्वाद और सहयोग की अपेक्षा जताई। विभिन्न गांवों और कस्बों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद स्थापित करने के साथ उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था भी प्रकट की।

प्रशासन के आश्वासन पर 28 तक टाल दिया सरयू में जल समाधि का निर्णय

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी लगभग 71 वर्षीय जोखन और उनकी पत्नी सावित्री ने समस्याओं के समाधान हेतु 22 अक्टूबर को सरयू में जल समाधि की चेतावनी दिया था। जोखन को पुलिस और विभागीय अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बस्ती में देवी प्रतिमा विसर्जन के बाद उनकी समस्या का समाधान करा दिया जायेगा। इस आश्वासन पर जोखन ने 28 अक्टूबर तक जल समाधि का अपना निर्णय टाल दिया है।ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों को कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी जोखन ने पत्र भेजकर कहा है कि यदि उनके मकान के सामने से कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नकटीदेई निवासी ओम प्रकाश द्वारा जबरिया रखा गया टीन टप्पर न हटवाया गया तो वे पत्नी समेत सरयू नदी में जल समाधि ले लेंगे। जोखन ने बताया कि पहले उन्होने 20 अक्टूबर को सरयू में जल समाधि लेने की चेतावनी दिया था किन्तु कानूनगो ने आश्वासन दिया है कि 21 अक्टूबर तक उनकी समस्या का समाधान करा दिया जायेगा। इसे देखते हुये उन्होने पत्नी समेत जल समाधि का निर्णय दो दिन के लिये टाल दिया है। इसके बाद अब जोखन ने प्रशासन को 28 अक्टूबर तक का मौका दिया है।कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी जोखन ने उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में कहा है कि वे पत्नी के साथ पिछले 7 वर्षो से निरन्तर अपने अधिकार के लिये संघर्ष कर रहे हैं, दो बार पहले भी जल समाधि की चेतावनी दे चुके हैं, अधिकारियों के आश्वासन पर वे निर्णय टालते रहे किन्तु समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

सदगुरु रामसूरत साहेब व उदार साहेब की पुण्य स्मृति में कबीर मेला 20 से

अयोध्या। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीकबीर धर्म मंदिर जियनपुर चूड़ामणि चौराहा, अयोध्या धाम में तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का आयोजन किया गया है। जो 20 अक्टूबर से शुरु होकर 22 अक्टूबर को समाप्त होगा, जिसमें देश के दिग्गज संत–महंत व प्रबुद्धजन सम्मिलित होंगे। 20 अक्टूबर को अपरान्ह 1 बजे सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का उद्घाटन राज्य सूचना आयुक्त राकेश कुमार यादव करेंगे।कार्यक्रम के आयोजक श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर के अध्यक्ष आचार्य महंत उमाशंकर दास हैं। मुख्य अतिथि के रुप में संत कबीर समाधि स्थली मगहर संतकबीरनगर के पीठाधीश्वर आचार्य प्रवर विचार साहेब, इलाहाबाद हाइकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुभाष चंद्र शर्मा, विश्व कबीर विचार मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य महंत मनमोहन साहेब और कबीर मंदिर सूरत गुजरात के महंत देवेंद्र साहेब मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लखनऊ हाइकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एमबी सिंह होंगे। मेला की अध्यक्षता किछौछा दरगाह अंबेडकरनगर के किछौछवी हजरत सैय्यद इरफान मियां करेंगे। वहीं वक्तागणों के रूप में कबीर प्रगट स्थली लहरतारा वाराणसी के महंत गोविंद दास शास्त्री, कबीर मंदिर बड़हरा गोंडा के महंत विवेक ब्रह्मचारी, कबीर मंदिर गोरखपुर के महंत रामप्रसाद साहेब, सोनवरसा पोखरा गोंडा के महंत छोटे बाबा, कबीर आश्रम पचरा संतकबीरनगर के महंत सुकृति दास, कबीर धाम लखीमपुर खीरी के संत प्रवीन साहेब, सीवान बिहार के निर्मल साहेब, भारत माता मंदिर के महंत चेतन साहेब, संतोष साहेब गोरखपुर, संत रवींद्र साहेब छत्तीसगढ़, महंत खिलेंद्र साहेब दिल्ली, संत झिनकू दास सुल्तानपुर, रिटायर्ड आईएएस अरूण कुमार सिन्हा व सुरेश चंद्रा, सचिव राष्ट्रीय एकीकरण विभाग उप्र. डॉ. हीरालाल, केजीएमयू लखनऊ के डॉ. जितेंद्र राव, वित्त नियंत्रक अयोध्या विकास प्राधिकरण हरिकेश वर्मा, समाजसेवी सुरेश यादव, साकेत महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रामचंदर वर्मा, प्रो. अजय कुमार सिंह, प्रो. अनिल विश्वकर्मा उपस्थित रहेंगे। भानुप्रताप वर्मा इंटर कालेज हनुमत नगर अयोध्या के प्रधानाचार्य निर्मल कुमार वर्मा समेत अन्य लोग कार्यक्रम की तैयारियों में जोर–शोर से लगे हुए हैं।

शिक्षकों के हक, सम्मान व पुरानी पेंशन की लड़ाई को सपा ने दी मजबूती - पारसनाथ यादव

अयोध्या। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के शिक्षक विधान परिषद प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के समर्थन में तारुन–हैदरगंज मार्ग स्थित कृपाराम यादव के आवास पर शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव के संयोजन में हुई बैठक में शिक्षकों की समस्याओं, शिक्षा व्यवस्था और शिक्षण संस्थानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा शिक्षकों, शिक्षा व्यवस्था और शिक्षण संस्थानों के हितों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के 300 स्थायी मान्यता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों को अनुदानित करने का निर्णय लिया गया, जबकि दूसरे चरण में 1100 जूनियर हाईस्कूलों को एक साथ अनुदान सूची में शामिल करने का कार्य किया गया। इसके अलावा हजारों विषय विशेषज्ञ शिक्षकों का विनियमितीकरण कर उन्हें स्थायित्व और अधिकार देने की पहल की गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षक समाज के सामने कई चुनौतियां हैं। पुरानी पेंशन की बहाली, वित्तविहीन शिक्षकों की समस्याओं का समाधान, शिक्षण संस्थानों की स्थिति में सुधार और शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षकों की आवाज को मजबूती से उठाने की जरूरत है। चुनाव प्रभारी प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकारों ने शिक्षकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने का निर्णय शिक्षकों के हित में महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने बैठक में उपस्थित शिक्षकों से डॉ. संजयन त्रिपाठी के समर्थन में एकजुट होने की अपील की। बैठक में शिक्षक सभा के प्रदेश पदाधिकारी एवं साकेत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. प्रशांत प्रजापति, डॉ. विष्णु कुमार, अधिवक्ता संघ के जिलाध्यक्ष रामकरन यादव, सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शिवकुमार यादव, विनय सिंह, सुरजीत यादव, रामहजूर वर्मा और विजय यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हरीश द्विवेदी के जन्मदिन पर किया पौधारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रभु दयाल वर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न अंबेडकर पार्कों में पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया। प्रभु दयाल वर्मा ने खीरि घाट समेत अन्य अंबेडकर पार्कों में पौधे लगाए और हरीश द्विवेदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। प्रभु दयाल वर्मा ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह आगे भी इसी तरह जनसेवा के कार्य करते रहें और स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु हों। कहा कि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पेड़–पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित भविष्य का आधार हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विशेष अवसरों पर पौधारोपण करें और लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाएं।इस अवसर पर अंबेडकर पार्कों में पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के जन्मदिन पर अधिवक्ताओं ने किया पौधरोपण

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के जन्मदिन पर अधिवक्ताओं ने जनपद बार एसोसिएशन के संयुक्त मंत्री शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट के नेतृत्व में कचहरी परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उनके दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने अपने कार्यकाल के दौरान बस्ती के विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

अधिवक्ता गोलीकांड के आरोपी हिस्ट्रीशीटर पवन यादव की जमानत सुप्रीम कोर्ट से खारिज

अयोध्या। अधिवक्ता एवं भाजपा नेता आलोक कुमार सिंह पर जानलेवा हमले के मामले में आरोपी हिस्ट्रीशीटर पवन कुमार यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने 16 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ से मिली जमानत निरस्त करते हुए आरोपी को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। इस फैसले के बाद मामले में कानूनी कार्रवाई तेज होने की संभावना है।गौरतलब है कि पिछले वर्ष दशहरा के दिन अयोध्या में अधिवक्ता एवं भाजपा नेता आलोक कुमार सिंह पर जानलेवा हमला किया गया था। इस बहुचर्चित गोलीकांड में पवन कुमार यादव की संलिप्तता सामने आई थी। आरोपी के खिलाफ गुंडा एक्ट समेत कुल 26 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की थी। इस मामले की प्रभावी पैरवी अयोध्या निवासी सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार मिश्रा ने की। वह करीब 25 वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर र

शिक्षक संकुलों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक, नवाचारों पर हुई चर्चा

चित्रकूट। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के निर्देशों के अनुपालन में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में सदर ब्लाक एवं नगर क्षेत्र के शिक्षक संकुलों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रभारी डायट प्रवक्ता सौरभ चंद्र सविता तथा कार्यक्रम सहप्रभारी डायट प्रवक्ता अखिलेश पाण्डेय के मार्गदर्शन में बैठक सारगर्भित, बिन्दुवार एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न हुई।

बैठक में निर्धारित एजेण्डे के अनुसार विगत तिमाही में आयोजित शिक्षक संकुल बैठकों, तैयारी बैठकों तथा शिक्षकों की सहभागिता की समीक्षा की गई। विभिन्न संकुलों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रभावी शिक्षण गतिविधियों, नवाचारों और व्यावहारिक चुनौतियों को साझा किया। इस अवसर पर कहा गया कि शिक्षक संकुल विद्यालय स्तर पर शैक्षिक बदलाव की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति, शिक्षकों के बीच परस्पर अधिगम (पियर लर्निंग) तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने में संकुल बैठकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समीक्षा के दौरान 'प्रत्येक संकुल बैठक का आयोजन क्रमशः अलग–अलग विद्यालयों में करने तथा रोटेशन के आधार पर शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित करने' पर विशेष जोर दिया गया। इससे विभिन्न विद्यालयों की शिक्षण पद्धतियों, उपलब्ध संसाधनों और सफल प्रयासों से सीखने के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही 'प्रत्येक बैठक से पूर्व संबंधित संकुल के सभी शिक्षक संकुलों के मध्य तैयारी बैठक आयोजित कर एजेण्डा, दायित्वों एवं प्रस्तुतियों का समन्वय सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।' बैठकों को अधिक उपयोगी और समयबद्ध बनाने के लिए बेहतर आपसी समन्वय के साथ सीमित संख्या में चयनित, उपयोगी एवं कक्षा में अपनाए जा सकने वाले नवाचारों का प्रदर्शन करने पर चर्चा हुई। साझा किए गए नवाचारों का कक्षाओं में प्रयोग करने तथा विद्यार्थियों के सीखने पर उनके प्रभाव की समीक्षा करने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई। शिक्षण अधिगम एवं संकुल बैठकों के संचालन में आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए आवश्यक अकादमिक सहयोग और रणनीति पर विचार किया गया। अंत में आगामी संकुल बैठक एवं तिमाही के लिए प्रस्तावित गतिविधियों, समयसीमा और अपेक्षित परिणामों सहित कार्ययोजना तैयार की गई। प्रतिभागियों ने अपने क्षेत्रों में अकादमिक सहयोग मजबूत बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के समर्थ प्रशिक्षण का डायट में हुआ शुभारंभ

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में गुरुवार को उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के शैक्षणिक व प्रशासनिक कौशल संवर्धन हेतु तीन दिवसीय समर्थ मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण के पांचवें एवं अंतिम फेरे का गरिमामय शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन डायट प्रवक्ता प्रशिक्षण प्रभारी अखिलेश कुमार पांडेय, प्रवक्ता मोहित कुमार सिंह तथा शिवलाल सिंह यादव द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संस्था प्रमुखों में कुशल नेतृत्व, सु.ढ़ प्रशासनिक क्षमता तथा उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता का बेहतर समन्वय स्थापित करना है। जिससे वे अपने विद्यालयों का कुशल मार्गदर्शन कर सकें। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस का शुभारंभ सुबह 10रू00 बजे संभागियों के पंजीकरण, सर्वधर्म प्रार्थना तथा प्री–टेस्ट के साथ हुआ, जिसका कुशल प्रबंधन प्रवक्ता श्री मोहित कुमार सिंह द्वारा किया गया। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण प्रभारी एवं संदर्भदाता श्री अखिलेश कुमार पांडेय ने प्रशिक्षण के सामान्य नियमों, अनुशासन और समयबद्धता के निर्देशों से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने इस प्रशिक्षण के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक केवल एक शिक्षक नहीं, बल्कि विद्यालय की दिशा और दशा तय करने वाला कुशल नेतृत्वकर्ता होता हैय ऐसे में श्समर्थश प्रशिक्षण उनके भीतर प्रशासनिक दक्षता, टीम भावना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए .ष्टिकोण को विकसित करने में अत्यंत मददगार सिद्ध होगा। इसके पश्चात द्वितीय सत्र में उन्होंने प्रधानाध्यापक एक सफल नेतृत्वकर्ता, प्रशासक एवं प्रबंधक विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला।

नवागंतुक जिला जज ने किया कार्यभार ग्रहण

चित्रकूट। नवागंतुक जनपद न्यायाधीश सुनील कुमार पंचम ने गुरुवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों का परिचय प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के मूल निवासी एचजेएस सुनील कुमार पंचम ने बलरामपुर में प्रथम नियुक्ति के साथ न्यायिक सेवा की शुरूआत की थी। इसके बाद बिजनौर, प्रयागराज और मेरठ में बतौर न्यायिक अधिकारी कार्य करने के बाद वह गोंडा जिले के परिवार न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश के पद पर कार्यरत थे। जहां से स्थानांतरण के बाद वह चित्रकूट आए हैं। गुरुवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया।

खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन-2026 के मतदान हेतु पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

'जिलाधिकारी ने तैयारियों के दृष्टिगत किया निरीक्षण

मीरजापुर। खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन–2026 को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत लिए राजकीय इण्टर कालेज महुवरिया प्रांगण से पोलिंग पार्टियां रवाना की गई। पोलिंग पार्टियों के रवाना एवं सकुशल पहुंचने के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार गंगवार ने राजकीय इण्टर कालेज पहुंचकर निर्वाचन से सम्बन्धित पोलिंग पार्टियों की रवानगी स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि समय से अपने–अपने मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न काएं इस दौरान मतदान केन्द्रों के लिए तैनात किए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट व सुरक्षा कार्मियो मतपत्र, मतपेटी व अन्य निर्वाचन सामाग्री के साथ रवानगी की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार गंगवार ने जानकारी देते हुए बताया कि खण्ड स्नातक निर्वाचन के लिए 30 मतदेय स्थल व 18 मतदान केन्द्र है, जिसमें से 14 मतदेय स्थल, मतदान केन्द्र पर शिक्षक निर्वाचन के लिए बनाए गए है। उन्होंने बताया कि आज पोलिंग पार्टियों की रवानगी की गई, सभी मतदान केन्द्रों को सेक्टर बनाया गया है जहां पर सेक्टर मजिस्ट्रेट रहेंगे उसके अलावा जोनल मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है, विभिन्न व्यवस्थाओं के सम्बंध में भी नोडल अधिकारी भी लगाए गए है। उन्होंने बताया कि पार्टी रवानगी के समय सभी पार्टियों को आवश्यक मतदान सामाग्री, प्रपत्र उपलब्ध कराए गए है। उन्होंने बताया कि सभी पार्टियों को निर्देशित किया गया है कल दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को समय से मतदान की प्रक्रिया प्रारम्भ करा दी जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मतदेय स्थलों पर माइक्रो आब्जर्वर की भी तैनाती की गई है जो अपनी रिपोर्ट प्रेक्षक को भेंजेगे, शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की भी तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि जनपद में सकुशल व शान्तिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधान परिषद के वाराणसी खण्ड शिक्षक, स्नातक के मतदान में निर्वाचन आयोग के द्वारा फोटो पहचान पत्र जारी किए गए है जो अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए मत देने से पूर्व अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा तथापि वे निर्वाचक जो अपना निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते है, उन्हें अपने पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड, ड्राईविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, राज्य, केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों या अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए सेवा पहचान पत्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी कार्ड में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकता है।

26 को मनायी जायेंगी आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जयंती

मीरजापुर। हिन्दी के साहित्य मनीषी मूर्धन्य विद्वान आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 142 वीं जयंती आगामी 26 अक्टूबर, सोमवार को रमईपट्टी स्थित उनके विद्यालय रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान में दोपहर दो बजे से मनायी जायेगी। इससे पूर्व प्रातरू आठ बजे बरौंधा कचार स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया जायेगा। दोपहर के गोष्ठी समारोह में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार दयाशंकर मिश्र होंगे। विशिष्ट अतिथि नगर विधायक रत्नाकर मिश्र व नगरपालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर केसरी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अनुज प्रताप सिंह करेंगे। बताते चलें कि आचार्य शुक्ल का जन्म बस्ती जिला के अगौना ग्राम में सन् 1884 में हुआ था, जबकि रमईपट्टी मिर्जापुर उनकी कर्मस्थली रही।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का मीरजापुर दौरा हुआ रद्द

मीरजापुर। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का शुक्रवार, 23 अक्टूबर को मीरजापुर में होने वाला आगमन रद्द हो गया है। बता दें कि शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का मीरजापुर आगमन होने वाला था,

जहां उनके मां विंध्यवासिनी देवी धाम में दर्शन पूजन करने के बाद कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात का कार्यक्रम रहा है। इसके लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही पुलिस लाइन में हेलिकॉप्टर लैंडिंग के लिए हेलिपैड को भी दुरुस्त किया जा रहा था। लेकिन अचानक से उनके आगमन का कार्यक्रम निरस्त होने की खबर होते ही उनके समर्थकों में जहां मायूसी छा गई है, प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

36 घंटे बाद नदी में मिला युवक का शव

चित्रकूट। बरगढ़ थाना क्षेत्र के बोझफार्म गांव के भटगवां बांध में मंगलवार की शाम को देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान गायब युवक का शव 36 घंटे बाद पानी में ही उतराता मिला। जानकारी होने पर परिजनों ने अपने ही परिवार के कुछ लोगों पर साजिश के तहत हत्या करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही है।

कौशांबी के ग्राम जाठी निवासी सोनू मिश्रा ने बताया कि उसका भाई दीपेन्द्र उर्फ मोनू मिश्रा (30) पांच साल से बरगढ़ के बोझफार्म गांव निवासी अपने बड़े भाई की ससुराल में ससुर आनंद कमल द्विवेदी के यहां रहता था। वह बिजली का मिस्त्री और कांट्रेक्टर था। क्षेत्र में मंगलवार को देवी प्रतिमाओं का अरवारी गांव के पास भटबांध में विसर्जन चल रहा था। गांव के देवी पंडाल की प्रतिमा के विसर्जन में दीपेन्द्र अपने साले पंकज और साली तनू के साथ बांध तक गया था। उसने वहां अपनी शर्ट, बैग, मोबाइल और बेल्ट तनू को देकर बांध में पंकज के साथ प्रतिमा विसर्जन के बाद नहा रहा था। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला। रात को घर न लौटने पर जब फोन कर जानकारी की तो उसका फोन तनू के स्वजन ने उठाकर बताया कि वह गायब है। रात में ही आकर थाने में गुमसुदगी दर्ज कराई गई। शक के आधार पर पुलिस बांध में गोताखोर की मदद से उसकी तलाश करा रही थी। गुरुवार की सुबह उसका शव पानी में उतराता मिला। प्रथम .ष्टया माना गया कि विसर्जन या नहाते समय डूबने से मौत हुई। उसके भाई सोनू ने बताया कि दीपेन्द्र की चप्पल एक रिश्तेदार के घर में मिली और उसके साथ नहा रहे साले पंकज ने बताया कि उसे कुछ पता नहीं है। इससे शक हो रहा है। आरोप लगाया कि गांव की एक युवती से दीपेन्द्र के संबध होने का भी यह परिवार विरोध करता था ऐसे में शक है कि उसे बांध में डुबाकर मारा गया है। वह तैरना भी जानता था। थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

उर्वरक केंद्रों पर छापामार कर भरें संदिग्ध नमूने, एक दुकान निलंबित

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देश पर रबी फसलों की बुआई के मद्देनजर किसानों को समय से निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए .षि विभाग ने निगरानी तेज कर दी है। डीएम द्वारा गठित अधिकारियों की संयुक्त टीम ने गुरुवार को एक साथ संयुक्त रूप से छापेमारी कर जनपद की चारों तहसीलों में संचालित 33 उर्वरक बिक्री केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। जहां 07 संदिग्ध नमूने लेकर एक दुकान निलंबित की गई। अधिकारियों के अचानक पहुंचने से उर्वरक विक्रेताओं में खलबली मच गई।

कर्वी तहसील में उप .षि निदेशक जीत लाल गुप्ता,तहसीलदार कर्वी व डॉ रंजीत सरोज, मऊ तहसील में भूमि संरक्षण अधिकारी सुरुचि विश्वकर्मा, अंकुर कचेर व तहसीलदार मऊ,तहसील मानिकपुर एवं राजापुर में जिला .षि अधिकारी आरके वर्मा,राजेश सैनी व तहसीलदार मानिकपुर ने पूरे जनपद में 33 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 07 संदिग्ध नमूने लेकर बारहठ चौराहा में संचालित रमटेकवा एग्री जंक्शन केंद्र की एक दुकान में निलंबन की कार्यवाही की गई है।

के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उर्वरक बिक्री से संबंधित अभिलेखों की गहनता से जांच कर उर्वरक की गुणवत्ता भी परखी, ताकि किसानों को किसी भी स्थिति में अमानक खाद की बिक्री न हो सके। साथ ही पोस मशीन,स्टाक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर और उपलब्ध उर्वरक के भौतिक स्टॉक का मिलान किया गया। इसके साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, अन्य उत्पाद की टैगिंग और ओवररेटिंग को रोकने के साथ ही किसानों को उनकी जोत के आधार पर उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही बिक्री में पारदर्शिता बनाए रखने तथा स्टाक और बिक्री का विवरण नियमित रूप से अभिलेखों में दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रबी सीजन में किसानों को उर्वरक की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। खाद की कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान के तहत एसडीएम पूजा गुप्ता ने किया जागरूक

चित्रकूट। मतदाता सूची को अद्यतन करने और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मताधिकार से जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान के तहत घर–घर संपर्क किया जा रहा है। जिसके क्रम में राजापुर उपजिलाधिकारी पूजा गुप्ता ने गुरुवार को डोर–टू–डोर अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया। उन्होंने पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।अभियान के दौरान विधानसभा क्षेत्र 237 के बूथ संख्या 12 और 13 तथा विधानसभा क्षेत्र 236 के बूथ संख्या 79 पर नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए कुल 41 फार्म–6 भरवाए गए। इनमें 24 महिला और 17 पुरुष मतदाता शामिल हैं। फार्म–6 के माध्यम से मतदाता सूची में पहली बार नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन किया जाता है। बताया कि अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र नागरिकों को सूची से जोड़ना है, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। एसडीएम ने घर–घर पहुंचकर लोगों को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी और बताया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना मतदान के अधिकार का उपयोग करने के लिए जरूरी है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को विशेष रूप से पंजीकरण के लिए प्रेरित किया। साथ ही लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार के पात्र सदस्यों के नाम भी मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए आवेदन करें। निर्वाचन संबंधी विशेष अभियान 24 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत बूथ स्तर पर मतदाता जागरूकता और पंजीकरण संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। इसके लिए बूथ लेवल अधिकारियों के माध्यम से आवेदन भरवाने और मतदाता सूची की जांच करने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

मिशन शक्ति 6.0- कुशीनगर पुलिस की पहल, काउंसलिंग से दो दंपतियों के बीच कराया गया सुलह

कुशीनगर, (आरएनएस)। मिशन शक्ति अभियान फेज–6.0 के तहत कुशीनगर पुलिस ने काउंसलिंग के जरिए दो अलग–अलग पारिवारिक विवादों का समाधान कराया। अहिरौली बाजार और कसया थाने के मिशन शक्ति केंद्रों पर हुई काउंसलिंग के दौरान पुलिस टीमों ने पति–पत्नी के बीच चल रहे मतभेदों को दूर करने का प्रयास किया। इन्हें समझाने के बाद दोनों मामलों में पति–पत्नी आपसी सहमति से साथ रहकर वैवाहिक जीवन बिताने को तैयार हो गए।पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के नेतृत्व में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति अभियान के तहत चलाए जा रहे अभियान के क्रम में दोनों थानों के मिशन शक्ति केंद्रों पर पारिवारिक विवाद से संबंधित प्रार्थना पत्रों के आधार पर संबंधित पक्षों को बुलाकर काउंसलिंग की गई अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के एक दंपति के बीच काफी समय से पारिवारिक विवाद और आपसी मतभेद चल रहे थे। मिशन शक्ति केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों की बातें धैर्यपूर्वक सुनीं और विवाद के कारणों पर चर्चा की। टीम की सकारात्मक पहल और मध्यस्थता के बाद दोनों के बीच सुलह हो गई। इसके बाद पति–पत्नी ने साथ रहकर वैवाहिक जीवन सुखपूर्वक बिताने पर सहमति जताई। इसी तरह कसया थाने के मिशन शक्ति केंद्र पर भी एक दंपति के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए काउंसलिंग की गई। दोनों पक्षों को सुनने और समझाने के बाद उनके बीच आपसी सहमति बनी। दोनों पति–पत्नी भी साथ रहने और अपने वैवाहिक जीवन को आगे बढ़ाने के लिए राजी हो गए। कुशीनगर पुलिस की इस पहल का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को संवाद, समझाइश और आपसी सहमति के माध्यम से सुलझाना तथा परिवारों में सौहार्द बनाए रखने में मदद करना है। अहिरौली बाजार की कांउंसलिंग पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विनय कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, कांस्टेबल देवेंद्र कुमार यादव, कांस्टेबल मनीष यादव, महिला कांस्टेबल सोनल कन्नौजिया, महिला कांस्टेबल प्रिया पाण्डेय और महिला कांस्टेबल आसना शामिल रहीं।

पी०एम० सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में पी०एम० सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनसामान्य को योजना से लाभान्वित करने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा अधिक से अधिक घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया।बैठक में अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री द्वारा 13 फरवरी 2024 को शुरू की गई इस योजना के तहत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को घर की छत पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराने पर केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से अनुदान दिया जा रहा है। एक किलोवाट क्षमता के संयंत्र पर कुल 45 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा तीन किलोवाट से 10 किलोवाट तक के संयंत्र पर कुल 1.08 लाख रुपये तक अनुदान का प्रावधान है। दो किलोवाट का संयंत्र स्थापित कराने पर औसतन प्रतिदिन 10 यूनिट बिजली उत्पादन तथा लगभग 2,000 रुपये प्रतिमाह तक बिजली बिल में बचत संभव है। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक उपभोक्ता राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अनुदान प्राप्त करने के लिए यूपीनेडा में इम्पैनल्ड वेंडर के माध्यम से ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराना आवश्यक है। पोर्टल पर पंजीकृत वेंडरों की सूची भी उपलब्ध है।बैठक में योजना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा पात्र घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं तक इसकी जानकारी पहुंचाने पर बल दिया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग सौर ऊर्जा अपनाकर बिजली बिल में बचत कर सकें और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिले।

पहले विसर्जन को लेकर दो गुटो में विवाद, चाकू लगने से युवक घायल

चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के यमुना नदी किनारे देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे पर डांस और पहले विसर्जन करने को लेकर एक मोहल्ले के दो गुटों में विवाद हुआ। इसमें चाकू व डंडे चले। एक पक्ष से एक युवक को चाकू लगा और उसे गंभीर हालत में प्रयागराज रेफर किया गया है। देवी टोला रुपौलिहा मोहल्ला निवासी विभव पांडेय ने बताया कि वह सब मोहल्ले की देवी प्रतिमा का विसर्जन करने डीजे के साथ बुधवार की रात लगभग नौ बजे यमुना नदी किनारे पहुंचे। इसी बीच अरुण शुक्ला आदि पक्ष भी देवी प्रतिमा डीजे के साथ लेकर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले दोनों पक्ष में तेज आवाज में डीजे बजाकर युवकों में डांस कंपटीशन होता रहा। इसके बाद विसर्जन पहले करने को लेकर विवाद हो गया। दोनों पक्ष से चाकू व डंडे चलने लगे। इसी दौरान विभव को चाकू लगा और वह गिर गया। सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों पक्ष से चार लोगों को पकड़कर थाने पहुंचाया। विभव को सीएचसी से डाक्टर ने प्रयागराज रेफर कर दिया।

सकुशल, निष्पक्ष संपन्न कराएं एमएलसी चुनाव : डीएम

चित्रकूट। विधान परिषद के लिए इलाहाबाद–झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराये जाने को जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में सभी नोडल अधिकारियों तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में डीएम ने संबंधित नोडल अधिकारियों से उनको स्नातक निर्वाचन से संबंधित दिये प्रभार के तैयारियों के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग एवं रिटर्निंग आफिसर द्वारा दिये गये निर्देशों के अलोक में समीक्षा की गयी। जिसमें नोडल अधिकारियों द्वारा निर्वाचन की तैयारी के संबंध मे जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। इस पर संतोष व्यक्त करते हुए समस्त नोडल अधिकारी एवं समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेटों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सकुशल निर्वाचन सम्पन्न कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। इसी कम में अवगत कराया गया कि 23 अक्टूबर को मतदान सम्पन्न होना है। जिसके लिए पोलिंग पार्टियां कलेक्ट्रेट से प्रस्थान करेंगी। मतदान के पश्चात् पोल्ड बैलट बाक्स एवं संविद, असंविद प्रपत्र आदि समस्त निर्वाचन सामग्री बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी के न्यायलय कक्ष संख्या 3 में बनाये गये अस्थाई स्ट्रांग रूम में जमा की जाएगी। तत्पश्चात् समस्त मतदेय स्थलों की पोल्ड बैलट बाक्स एवं संविद, असंविद प्रपत्र आदि निर्वाचन सामग्री रिटर्निंग आफिसर, इलाहाबाद–झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्रध्आयुक्त, झांसी मण्डल झांसी को नामित मजिस्ट्रेट द्वारा पुलिस अभिरक्षा में भेजकर प्राप्त करायी जाएगी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम चंद्रशेखर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुद्रण, लिपिकीय त्रुटियां होने की दशा में मतदान से न रोकें

चित्रकूट। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम चन्द्रशेखर ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया है कि षविद्यान परिषद के खण्ड स्नातक निर्वाचन के 5 एवं खण्ड शिक्षक के 6 निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन के अन्तर्गत 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान के दिन मतदाता सूची में मतदाता के विवरण में आंशिक लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधित त्रुटियां होने के आधार पर किसी भी मतदाता को उसके मताधिकार से वंचित न किया जाये। यदि कोई मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केन्द्र पर पहुंचता है और पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी को मतदाता सूची में उसके विवरण में लिपिकीय, मुद्रण संबंधी अशुद्धियां दिखायी देती है तो ऐसी स्थिति में मतदाता की पहचान सुनिश्चित की जाये। यदि मतदान अधिकारी मतदाता द्वारा प्रस्तुत अनुमन्य दस्तावेजों या मतदाता सूची में दर्ज अन्य विवरणों के आधार इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि संबंधित व्यक्ति वही मतदाता है, जिसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो ऐसी लिपिकीय अथवा मुद्रण संबंधी त्रुटियों की नजरअंदाज करते हुए उसे मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति दे दी जाये।

विद्यालयों में आज रहेगा अवकाश

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रंजना शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 अक्टूबर को उप्र विधान परिषद् के इलाहाबाद–झांसी खण्ड स्नातक क्षेत्र के लिए मतदान दिवस होने के फलस्वरूप सामान्य प्रशासन विभाग उप्र शासन के क्रम में कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र लखनऊ के पत्र के क्रम में विशेष आकस्मिक अवकाश की सुविधा प्रदान किये जाने के .ष्टिगत जनपद के समस्त प्री प्राइमरी से कक्षा आठ तक के परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त अशासकीय अंग्रेजी, हिंदी माध्यम के विद्यालयों में 23 अक्टूबर को अवकाश रहेगा।

एमएलसी मतदान आज, पोलिंग पार्टियां निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना

चित्रकूट। झांसी–प्रयागराज खंड एमएलसी स्नातक निर्वाचन के लिए गुरुवार को जिले के 11,391 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान कराने के लिए गुरुवार को कलेक्ट्रेट से पोलिंग पार्टियां निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना की गईं। जिले में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए छह मतदान केंद्रों पर 13 बूथ बनाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर के अनुसार, मतदान केंद्र चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी, खंड विकास अधिकारी कार्यालय मानिकपुर, पहाड़ी, मऊ, रामनगर और नगर पंचायत कार्यालय राजापुर में बनाए गए हैं। इस सीट पर कुल 16 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें भाजपा के अशोक कुमार राठौर और सपा के मान सिंह यादव प्रमुख प्रत्याशी हैं।

एएसपी ने पोलिंग पार्टियों को किया ब्रीफ

चित्रकूट। इलाहाबाद–झाँसी खण्ड स्नातक निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए एएसपी पीयूषकांत राय द्वारा चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस बल एवं पोलिंग पार्टियों को दिशा निर्देशों के सम्बन्ध में विस्तृत ब्रीफ किया। इसके उपरान्त जनपद के 06 मतदान केन्द्रों के लिए 13 पोलिंग पार्टियों को आवश्यक मतदान सामग्री एवं सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतदान केन्द्रों के लिये रवाना किया गया।

हादसे में घायल

चित्रकूट।'घर से बरगढ़ कस्बे की तरफ जा रहा श्याम जी पुत्र लल्लू की बाइक तेज गति होने के चलते ब्रेकर पर अनियंत्रित हो गई। गिरने से वह घायल हो गया। जिसे एम्बुलेंस से सीएचसी मऊ में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने जिला अस्पताल भेजा। जहां उपचार चल रहा है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 24 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

एशियन पैरा गेम्स संजना और अभिजीत ने जीता ब्रान्ज, नितेश-तुलसिमथी की जोड़ी ने कटाया फाइनल का टिकट

नागोया । एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत ने पैरा बैडमिंटन में अपने पदकों की संख्या बढ़ाई है। संजना कुमारी और अभिजीत सखुजा ने ब्रॉन्ज मेडल जीते, जबकि पेरिस पैरालंपिक चौंपियन नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार और नितेश–तुलसिमथी मुरुगेसन की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी अपने–अपने फाइनल में पहुंच गई है। संजना कुमारी ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में अपने पहले ही प्रयास में पोडियम तक जगह बनाई और महिला सिंगल्स एसएल3 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। सेमीफाइनल में भारतीय शटलर का सामना जापान की शिनो कावाई से हुआ, लेकिन उन्हें और 7–21, 9–21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, एशियन पैरा गेम्स में अपना डेब्यू कर रहे नवीन ने पुरुष सिंगल्स एसएल4 सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने ही देश के खिलाड़ी अभिजीत को 21–13, 21–15 से हराकर गोल्ड मेडल मैच में अपनी जगह पक्की की। इस जीत के साथ नवीन अब गोल्ड मेडल के प्रबल दावेदार बन गए हैं, जबकि इस मुकाबले के बाद अभिजीत को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

दूसरी ओर, नितेश ने इंडोनेशिया के इमरान मुह अल को सीधे गेमों में हराकर पुरुष सिंगल्स एसएल3 के फाइनल में प्रवेश किया। पहले गेम में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें नितेश ने संयम दिखाते हुए 21–19 से जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में उन्होंने अपना खेल और बेहतर किया और 21–16 से जीत दर्ज की।दूसरे गेम में नितेश ने खेल पर पूरा नियंत्रण रखा और अपने अनुभव व कौशल का प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया। इसके साथ ही वह एक और बड़े खिताब की और करीब पहुंच गए हैं। अब वह गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला करेंगे और नागोया में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

हालांकि, हार के साथ संजना के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें



खत्म हो गईं, लेकिन एशियन पैरा गेम्स में अपने डेब्यू पर ब्रॉन्ज मेडल जीतना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि रही। इससे भारत के पदकों की सूची में एक और पदक जुड़ गया है। डबल्स में गुरुवार का सबसे बड़ा उलटफेर नितेश और थुलसिमथी मुरुगेसन ने किया। उन्होंने मिक्स्ड डबल्स एसएल3दृ एसयू5 सेमीफाइनल में चीन के मिंगपान ली और जुक्सियान जिओ को कड़े मुकाबले में हराया।

भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21–19 से जीता, लेकिन चीनी खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21–14 से अपने नाम कर लिया। फाइनल में जगह बनाने के लिए नितेश और थुलसिमथी ने निर्णायक गेम में खुद को संभाला और शानदार प्रदर्शन करते हुए 21–17 से जीत हासिल की। इस तरह उन्होंने कुल 21–19, 14–21, 21–17 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लंबे और कड़े संघर्ष देखने को मिले, जिसमें एक रैली तो 79 सेकंड तक चली, जो इस सेमीफाइनल की शारीरिक चुनौतियों को दर्शाती है। भारतीय खिलाड़ियों ने निर्णायक गेम में अपना संयम बनाए रखा और गोल्ड मेडल मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

पहला टी20 न्यूजीलैंड के खिलाफ भुवनेश्वर की प्लेइंग इलेवन में वापसी नहीं रही शानदार

क्राइस्टचर्च ,। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत हो चुकी है। गुरुवार को हेगले ओवल में खेले जा रहे पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। टॉस जीतने के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा कि हम पहले गेंदबाजी करेंगे। देखना होगा कि विकेट कैसा खेलेगा। प्लेइंग इलेवन में नितीश रेड्डी और मयंक यादव की वापसी हुई है। भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में 4 साल बाद दाएं हाथ के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी हुई है। उन्होंने 4 साल पहले अपना आखिरी टी20 भी न्यूजीलैंड के खिलाफ ही न्यूजीलैंड में खेला था। अर्शदीप सिंह और मयंक यादव उनके साथ प्लेइंग इलेवन में दो अन्य तेज गेंदबाज हैं। इसके अलावा नितीश रेड्डी तेज गेंदबाजी में सहयोग करेंगे। नमन धीर और अक्षर पटेल स्पिन गेंदबाजी की कमान संभालेंगे।वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला है।न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने टॉस के समय कहा, हम भी गेंदबाजी करने वाले थे। विकेट फ्रेश लग रहा है। लोग बड़ी सीरीज के लिए बहुत उत्साहित हैं। इंडिया के खिलाफ खेलना कूल है। हमारे पास जो गहराई है, वो बहुत अच्छी है। हमारा मध्यक्रम बहुत मजबूत है।कप्तान सेंटनर ने बेवन जैकब्स की तारीफ की। कीवी प्लेइंग इलेवन में नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे, जबकि ग्लेन फिलिप्स, ब्रेसवेल और कप्तान मिशेल सेंटनर स्पिन गेंदबाजी की बागडोर संभालेंगे।भारत की प्लेइंग इलेवन–



संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, मयंक यादव।न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवनरू फिन एलन, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन।

सिलिकान वैली ओपन स्क्वैश अनाहत सिंह ने 8 बार की वर्ल्ड चौंपियन नूर एलशेरबिनी को हराया

रेडवुड सिटी ,। महिलाओं की वर्ल्ड नंबर 15 अनाहत सिंह ने रेडवुड सिटी (यूएस) में सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए मिस्र की आठ बार की वर्ल्ड चौंपियन नूर एलशेरबिनी को सीधे गेमों में हराया। अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए, 18 साल की अनाहत ने यूएसडी 143,500 पीएसए गोल्ड इवेंट के दूसरे राउंड में टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर 3 एलशेरबिनी को 30 मिनट में 11–8, 11–8, 11–7 से हराया। जीत के बाद अनाहत ने कहा, मैं उनका हर एक मैच देखकर बड़ी हुई हूं। मैं वो सब हासिल करना चाहती हूं, जो उन्होंने अपने करियर में किया है। वे सभी स्क्वैश प्लेयर्स के लिए प्रेरणा हैं। उनके साथ कोर्ट साझा करने का मौका मुझे पहली बार मिला। मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह इस तरह होगा। मुझे लगा कि मुझे सेटल होने और उनके साथ खेल को समझने में थोड़ा समय लगेगा। लेकिन, मेरा गेम प्लान अच्छा काम कर गया।अनाहत का अगला मुकाबला मिस्र की वर्ल्ड नंबर 14 सलमा हनी से होगा।

पिछले महीने एशियन गेम्स 2026 में, अनाहत ने कॉन्टिनेंटल मीट में स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनकर एक और इतिहास रच दिया। हालांकि, फाइनल में उन्हें मलेशिया की सिवासंगरी सुब्रमण्यम से हार के बाद सिल्वर से संतोष करना पड़ा था।

अनाहत ने हांग्जो में हुए एशियन गेम्स 2023 में महिला टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। इस साल की शुरुआत में, वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चौंपियनशिप 2026 में, अनाहत ने लड़कियों का एकल खिताब जीता और यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं, जिससे इस इवेंट में मिस्र का 15 साल का राज खत्म हो गया।

एशियन पैरा गेम्स शीतल-तोमन ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम में जीता गोल्ड

नागोया। शीतल देवी और तोमन कुमार ने आइची–नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 में गुरुवार को कंपाउंड मिक्स्ड टीम में गोल्ड जीता। भारत की इस जोड़ी ने इंडोनेशियाई जोड़ी पर 151–148 से जीत दर्ज की। भारत को पैरा एशियन गेम्स के मौजूदा एडिशन में तीरंदाजी में पहला गोल्ड मिला। आइची–नागोया गेम्स में शीतल का यह दूसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने पायल नाग के साथ पैरा कंपाउंड महिला डबल्स में सिल्वर मेडल जीता था।

ओकाजाकी में रिकॉर्ड टूटने के बीच शीतल और तोमर कुमार ने मिक्स्ड टीम राउंड में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 18 साल की इस खिलाड़ी ने संभावित 720 में से 704 पॉइंट बनाए, जो तुर्किये की ओजनूर क्युरे गिरडी के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी करते हैं।

शीतल ने मार्च में बैंकॉक में बनाए अपने 698 के एशियन रिकॉर्ड में भी छह पॉइंट का सुधार किया और एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड 680 से बढ़ाकर 704 कर दिया। मौजूदा वर्ल्ड चौंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी शीतल ने कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम क्वालीफिकेशन में 1402 पॉइंट बनाए, जिससे भारत का ही बनाया 1400 का पिछला वर्ल्ड रिकॉर्ड टूट गया।कंपाउंड इंडिविजुअल में डिफेंडिंग चौंपियन शीतल ने सोमवार को अपने एशियन पैरा गेम्स आइची–नागोया 2026 कैंपेन की शानदार शुरुआत की और कंपाउंड विमेंस क्वालीफिकेशन में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। फिर उन्होंने कंपाउंड विमेंस डबल्स क्वालीफिकेशन में पायल के साथ टीम बनाई।उनके कुल 1379 के स्कोर ने नए एशियन और गेम्स रिकॉर्ड बनाए। पायल ने 675 पॉइंट का योगदान दिया,



जिससे भारतीय जोड़ी विमेंस डबल्स रैंकिंग में टॉप पर पहुंची। शीतल ने हांगझोऊ में 2023 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड जीता और फिर 2024 में पेरिस पैरालिंपिक में ब्रॉन्ज

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते कीमती धातुओं पर बढ़ा दबाव, सोना 1.28 प्रतिशत फिसलाय चांदी में 5,600 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली,। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को एक बार फिर वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर रुझान, रुपए की मजबूती और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में गुरुवार सुबह सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गई। दिन के शुरुआती कारोबार में सोना 1.05 प्रतिशत गिरकर 4,106.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया, तो वहीं चांदी 2.24 प्रतिशत टूटकर 56.42 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

इस बीच बोफा यानी बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) ने अनुमान जताया है कि मौजूदा दबाव जारी रहने पर सोना आगे चलकर 3,700 डॉलर प्रति औंस तक फिसल सकता है। भारतीय मुद्रा में यह स्तर लगभग 1.12 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के बराबर बैठता है। इस अनुमान ने भी निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी है।अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.44 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया, जबकि चांदी का भाव 2.03 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के करीब आ गया।

खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 11 बजे), मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 1,771 रुपए यानी 1.21 प्रतिशत गिरकर 1,44,308 रुपए प्रति



10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा। वहीं चांदी में और बड़ी गिरावट देखी गई और यह 5,521 रुपए यानी 2.64 प्रतिशत टूटकर 2,03,647 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई।

दिन के कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,46,079 रुपए से 1,087 रुपए यानी 0.74 प्रतिशत टूटकर 1,44,992 रुपए पर खुला, और एक समय यह 1,883 रुपए यानी 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,44,196 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वहीं दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 2,09,168 रुपए से 3,168 रुपए यानी 1.51 प्रतिशत गिरकर 2,06,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली, और एक समय इसने 5,648 रुपए यानी 2.70 प्रतिशत टूटकर 2,03,520 का दिन का निम्नतम स्तर छुआ।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व की आगामी नीतिगत दिशा पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे कीमती धातुओं में उतार–चढ़ाव बढ़ गया है।

विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी आर्थिक संकेतकों और ब्याज दरों को लेकर बनी अनिश्चितता के चलते निवेशक फिलहाल जोखिम लेने से बच रहे हैं। यही कारण है कि सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने में भी बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है।

पिछले सप्ताह एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में 3,581 रुपए यानी 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी, जबकि चांदी 14,568 रुपए यानी 6.4 प्रतिशत तक टूट गई थी। जानकारों का मानना है कि घरेलू कीमतों में यह कमजोरी बड़े पैमाने पर मुद्रा विनिमय दर के प्रभाव से जुड़ी हुई है।बाजार के जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में गिरावट की एक बड़ी वजह भारतीय रुपए की मजबूती भी है। मजबूत रुपया आयातित सोने और चांदी की लागत को कम करता है, जिससे स्थानीय कीमतों पर दबाव बनता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक सोने की चाल पर पश्चिम एशिया की स्थिति भी असर डाल रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव और सप्लाई चिंताओं के बीच ब्रेंट क्रूड करीब 110 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है।

ऊर्जा की ऊंची कीमतें महंगाई को बढ़ा सकती हैं, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रख सकते हैं। यह स्थिति सामान्य तौर पर सोने के लिए नकारात्मक मानी जाती है। हालांकि दूसरी तरफ

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी और डॉलर में कमजोरी जैसी स्थितियां सोने को कुछ समर्थन भी दे सकती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों में निवेशकों का फोकस अमेरिका के आवास संबंधी आंकड़ों, उपभोक्ता भावना, महंगाई उम्मीदों और पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगा।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में खुला बाजार, सेंसेक्स 366 अंक टूटा, निफ्टी में 0.54 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई । एशियाई बाजारों में कमजोरी, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी की चिंताओं के बीच घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक गुरुवार को गिरावट के साथ लाल निशान में खुले।इस दौरान, सेंसेक्स 366.36 अंक यानी 0.50 प्रतिशत टूटकर 73,343.33 पर खुला, तो वहीं निफ्टी 50 ने 123.60 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,687.75 के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की।दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 73,005.11 का निम्नतम स्तर टच किया, जबकि निफ्टी 50 एक समय 22,554.85 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया था।व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमशरू 1.04 प्रतिशत और 0.91 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।वहीं, सेक्टरवार देखें तो अधिकांश सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। शुरुआती कारोबार में ऑटो, मेटल और हेल्थकेयर शेयरों में सबसे अधिक दबाव देखने को मिला।निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल और निफ्टी हेल्थकेयर सूचकांक में 0.98 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। वहीं निफ्टी फार्मा भी 0.78 प्रतिशत कमजोर रहा।एफएमसीजी, रियल्टी, सीमेंट और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में भी व्यापक कमजोरी देखने को मिली। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के महीनों में मिड–कैप और



स्मॉल–कैप शेयरों की तुलना में लार्ज–कैप शेयरों का बेहतर प्रदर्शन अब और स्पष्ट होता जा रहा है। उनका मानना है कि व्यापक बाजार में ऊंचे वैल्यूएशन को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।विशेषज्ञों ने कहा, ष्हाल के महीनों में व्यापक बाजार की मजबूती मुख्य रूप से तरलता (लिक्विडिटी) के कारण रही है, न कि कंपनियों की कमाई के दम पर। इससे ऐसी स्थिति बनी है, जहां कई मिड और स्मॉल–कैप शेयर महंगे वैल्यूएशन पर कारोबार कर रहे हैं, जबकि लार्ज–कैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक स्तर पर उपलब्ध हैं। अब यह असंतुलन धीरे–धीरे ठीक हो रहा है और यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है।उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड का ऊंचे स्तर पर बने रहना बाजार के लिए बाहरी चुनौतियां हैं। यही कारण है कि संस्थागत निवेशकों की खरीदारी के बावजूद कई ट्रेडर शॉर्ट पोजिशन बना रहे हैं।विशेषज्ञों के मुताबिक, ष्मौजूदा समय में उचित वैल्यूएशन वाले लार्ज–कैप शेयरों की ओर सेक्टोरल रोटेशन सबसे उपयुक्त निवेश रणनीति है। परिणाम मिलने में समय लग सकता है, लेकिन यह रणनीति निवेशकों को बेहतर रिटर्न दे सकती है।तकनीकी विश्लेषकों ने कहा कि निफ्टी में हालिया तेज गिरावट और 22,700 के स्तर का टूटना बाजार में गहरे करेक्शन की आशंका बढ़ाता है।उन्होंने आगे बताया कि निफ्टी के लिए 22,590 का स्तर महत्वपूर्ण समर्थन (सपोर्ट) है। यदि यह स्तर कायम रहता है तो रिकवरी की संभावना बनी रह सकती है। हालांकि मजबूत तेजी की पुष्टि के लिए निफ्टी को 22,840 के ऊपर वापस लौटना आवश्यक होगा।

बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध खरीदार रहे और उन्होंने लगभग 1,022 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी लगभग 1,614 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की।

एशियाई बाजारों में भी दबाव देखने को मिला। जापान का निक्केई, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कोस्पी शुरुआती कारोबार में 2 प्रतिशत तक गिर गए।

वहीं, अमेरिकी बाजारों में बुधवार को सकारात्मक माहौल देखने को मिला था। प्रौद्योगिकी शेयरों में तेजी के चलते नैस्डैक लगभग 1 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। एआई से जुड़े शेयरों में बेहतर कॉरपोरेट नतीजों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया।इस बीच, ब्रेंट क्रूड वायदा कीमतों में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई और यह करीब 110 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता दिखाई दिया।

यात्रियों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए ईस्ट कोस्ट रेलवे चलाएगा जन संवाद अभियान

भुवनेश्वर ,। ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) ने यात्रियों और रेलवे के बीच सीधा संवाद मजबूत करने, यात्रियों को जागरूक करने और रेलवे सेवाओं में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 22 अक्टूबर को अपने अधिकार क्षेत्र के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर श्जन संवादय अभियान चलाने की घोषणा की है। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह पहल रेलवे अधिकारियों, यात्रियों और आम लोगों के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए शुरू की जा रही है। इस अभियान के जरिए यात्रियों की जरूरतों को समझने, रेलवे सेवाओं और सुविधाओं पर उनकी राय लेने, शिकायतों को सुनने और भारतीय रेलवे की यात्री हितैषी योजनाओं की जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा।अभियान के दौरान नामित अधिकारी, पर्यवेक्षक और फ्रंटलाइन कर्मचारी रेलवे स्टेशनों, कॉनकोर्स क्षेत्रों और प्रतीक्षालयों में यात्रियों से सीधे बातचीत करेंगे।इस दौरान यात्रियों को रेलवे की दैनिक कार्यप्रणाली से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जागरूक किया जाएगा। इनमें यात्री सुरक्षा के नियम, स्टेशन पर स्वच्छता बनाए रखना, रेलवे परिसरों का सही उपयोग, ट्रेन में चढ़ते और उतरते समय सुरक्षा सावधानियां तथा जिम्मेदार यात्रा व्यवहार शामिल हैं।ईस्ट कोस्ट रेलवे ने बताया कि यात्रियों को स्टेशन सुविधाओं, आधुनिक यात्री सेवाओं, ट्रेनों में आरामदायक यात्रा और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के संबंध में अपने सुझाव और शिकायतें साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।अभियान के माध्यम से रेलवे परिसरों को साफ–सुथरा रखने, सार्वजनिक रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, रेलवे ट्रैक पार करने जैसी खतरनाक गतिविधियों से बचने और सुरक्षित रेल संचालन के लिए रेलवे कर्मचारियों का सहयोग करने के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस संवाद के दौरान प्राप्त सुझाव और प्रतिक्रियाएं यात्रियों की अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझने तथा उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करेंगी, जहां सुधार की आवश्यकता है।ईस्ट कोस्ट रेलवे ने कहा कि यह पहल भारतीय रेलवे की यात्री–केंद्रित सेवाओं, पारदर्शी संवाद और लोगों के प्रति जवाबदेह व्यवस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

त्योहारी सीजन में घरेलू उपलब्धता दुरुस्त रखने के लिए केंद्र सरकार ने टैरिफ रेट कोटा

त्योहारी सीजन में घरेलू उपलब्धता दुरुस्त रखने के लिए केंद्र सरकार ने टैरिफ रेट कोटा के तहत कच्ची चीनी मंगाने की छूट को आगे बढ़ा दिया है। 20 अगस्त को दी गई इस मंजूरी में से अब तक 2.6 लाख टन चीनी देश में पहुंच चुकी है। वैश्विक बाजार में कीमतों की स्थिति अनुकूल होते ही शेष स्टॉक का आयात पूरा करने के इरादे से यह कदम उठाया गया है।सरकार ने त्योहारों के दौरान घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के तहत 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क मुक्त आयात की समयसीमा बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दी है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, आयात की समयसीमा बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 कर दी गई है। सरकार ने 20 अगस्त को 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दी थी।उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, अब तक करीब 2.6 लाख टन चीनी का आयात किया गया है। उद्योग जगत के सूत्रों ने कहा कि कीमतों में समानता नहीं होने के कारण आयात सीमित रहा है। समयसीमा बढ़ाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जब भी अंतरराष्ट्रीय कीमतें इतनी कम हों कि आयात व्यावहारिक हो सके, तब आपूर्ति हासिल की जा सके। आयात की अनुमति देने के अलावा, सरकार ने पर्याप्त घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपलब्धता कम होने के बीच कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए व्यापारियों पर भंडार रखने की सीमा लागू करने जैसे कई कदम उठाए हैं।

मौली तनुज प्रशांत की फिल्म डोंगा ना कोडुकु का टीजर जारी, कामेडी और क्राइम का मिलेगा तड़का

अभिनेता मौली तनुज प्रशांत की आगामी तेलुगु क्राइम–कॉमेडी फिल्म डोंगा ना कोडुकु के निर्माताओं ने बुधवार को इसका मजेदार टीजर जारी किया। श्रीनु कंबाला के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर दर्शकों को हंसी और मनोरंजन की भरपूर झलक देता है। कई सफल फिल्मों का निर्माण कर चुका प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर टीजर का लिंक साझा किया। निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, भद्रम, सावधान रहना भाई... डोंगा ना कोडुकु और उसका परिवार आ गया है। फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। डोंगा ना कोडुकु 13 नवंबर से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रही है। फिल्म का निर्देशन श्रीनु कंबाला ने किया है, जो इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कहानी ईश्वर के इर्द–गिर्द घूमती है, जो बीटेक की पढ़ाई बीच में छोड़ चुका है। उसके माता–पिता पैसों को बहुत महत्व देते हैं। उसकी जिंदगी में एक करीबी दोस्त और गर्लफ्रेंड भी है। हालांकि, ईश्वर अपनी अगली जिंदगी में इनमें से किसी को नहीं चाहता और उसकी इच्छा सिर्फ पैसा पाने की है।

कहानी में चोरी और अपराध के तत्वों की एंट्री के साथ घटनाक्रम दिलचस्प मोड़ लेता है। फिल्म में हास्य के साथ क्राइम का मेल देखने को मिलेगा। टीजर का अंत समुद्र तट पर ईश्वर और उसकी गर्लफ्रेंड के बीच खाने को लेकर होने वाली मजेदार नोकझोंक के साथ होता है। फिल्म लिटिल हार्ट्स में अपने अभिनय के लिए सराहना हासिल करने वाले मौली तनुज प्रशांत एक बार फिर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाते नजर आएंगे।

टीजर में पाउडर वाला दृश्य, जिंदगी को लेकर मौली के किरदार का मजेदार नजरिया और टिफिन से जुड़ा हास्यपूर्ण प्रसंग शामिल है। इन दृश्यों से फिल्म में कॉमेडी की भरपूर खुराक मिलने की उम्मीद दिखाई देती है। फिल्म में सुष्मिता शेट्टी मौली की मासूम गर्लफ्रेंड की भूमिका में नजर आएंगी। अली और रजिता ने उनके माता–पिता का किरदार निभाया है। वहीं, रघुबाबू, प्रिया और गुंडू सुदर्शन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

निर्देशक श्रीनु कंबाला ने मुख्य किरदार के अनोखे स्वभाव और उससे पैदा होने वाली हास्यपूर्ण परिस्थितियों के इर्द–गिर्द कहानी बुनी है। मौली के किरदार का चित्रण और अलग–अलग दृश्यों में कॉमेडी का इस्तेमाल फिल्म को मनोरंजक बनाने पर निर्देशक के जोर को ने दिया है। फिल्म का संपादन



दर्शाता है। फिल्म का निर्माण नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर ने किया है, जबकि अनिल येरनेनी सह–निर्माता हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सूर्या बालाजी ने संभाली है। संगीत सिंजित येर्रामिल्ली श्रीधर सोमपल्ली ने किया है और प्रोडक्शन डिजाइन की जिम्मेदारी नागेंद्र गुव्वाला ने निभाई है।कुल मिलाकर, फिल्म का टीजर चोरी और अपराध से जुड़ी दिलचस्प कहानी के साथ हास्य और मनोरंजन की भरपूर झलक पेश करता है।

अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पूछ रही हैं, तू कब आएगा?

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते–करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया?

अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां।

मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, में वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठाकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।

अनुपम खेर ने आगे लिखा, फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का हुए। आपका चेहरा कैसे भूल वहीं रहता है। अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहींज् कोई बात नहीं। उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है।



अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूं, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक्र करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते सकता हूं, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।

निजी दर्द को शब्दों में पिरोकर कादर खान ने लिखा था मुकद्दर का सिकंदर का यादगार सीन, अमिताभ बच्चन हो गए थे भावुक

बॉलीवुड अभिनेता कादर खान ने अपने करियर में कभी विलेन बनकर दर्शकों को डराया, तो कभी कॉमेडी से हंसाया। वहीं अपनी लेखनी से अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार के किरदारों को खास पहचान भी दी लेकिन फिल्मों में आने से पहले कादर खान की जिंदगी बिल्कुल अलग थी। वह सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर थे और पढ़ाने के साथ थिएटर में भी एक्टिव रहते थे। फिर उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे चर्चित डायलॉग राइटर्स में शामिल कर दिया। कादर खान के लिखे डायलॉग्स की ताकत का एक बड़ा उदाहरण 1978 में रिलीज हुई फिल्म मुकद्दर का सिकंदर का 16 पन्नों वाला सीन है। कादर खान ने इस सीन में अपने जीवन के अनुभवों को उतार दिया था। जब उन्होंने अमिताभ बच्चन को इसे सुनाया तो बिग बी इतने भावुक हो गए कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। कादर खान का जन्म 1937 में काबुल में हुआ था। उनका परिवार बाद में मुंबई आ गया, जहां उन्होंने मुश्किल हालात में अपना बचपन बिताया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह मुंबई के एमएच साबू सिद्दीक पॉलिटेक्निक में लेक्चरर रहे और उन्हें बेस्ट टीचर का अवॉर्ड भी मिला लेकिन पढ़ाने के साथ–साथ एक्टिंग और डायलॉग लिखने का शौक उनके भीतर बना रहा। वह थिएटर में हिस्सा लेते थे और स्टेज पर अपनी प्रतिभा दिखाते थे। इसी दौरान एक नाटक में उनके काम ने लोगों का ध्यान खींचा और उन्हें फिल्मों के लिए डायलॉग लिखने का मौका मिला।

कादर खान ने 1970 के दशक की शुरुआत में फिल्मों के लिए



डायलॉग लिखना शुरू किया। 1972 में आई फिल्म जवानी दीवानी को उनके शुरुआती फिल्मी लेखन के अहम पड़ाव के तौर पर याद किया जाता है। इसके बाद राजेश खन्ना की फिल्म रोटी ने उनके करियर को नई पहचान दी।

मनमोहन देसाई और प्रकाश मेहरा जैसे डायरेक्टर्स के साथ उनके काम ने उन्हें इंडस्ट्री में मजबूत जगह दिलाई। उन्होंने अमर अकबर एंथनी, परवरिश, मुकद्दर का सिकंदर, लावारिस, नसीब और कुली जैसी फिल्मों के लिए डायलॉग लिखे। उनकी खासियत यह थी कि वह किरदार के हिसाब से भाषा और अंदाज बदल लेते थे। उनके डायलॉग में कहीं इमोशन था, कहीं गुस्सा और कहीं ऐसा मजाक, जो सीधे दर्शकों से जुड़ जाता था।

कादर खान के करियर का एक यादगार किस्सा फिल्म मुकद्दर का सिकंदर से जुड़ा है। उन्होंने बताया था कि फिल्म में एक सीन था, जिसमें अमिताभ बच्चन का किरदार स्टेज पर अपनी जिंदगी की कहानी सुनाता है। इस सीन को लिखते समय कादर खान ने अपने निजी जीवन के अनुभवों को भी शामिल किया था। यही वजह थी कि वह इस सीन को लेकर काफी भावुक थे। जब उन्होंने इसे फिल्म के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर प्रकाश मेहरा को सुनाया तो वह भी भावुक हो गए थे।लेकिन जब यह स्क्रिप्ट अमिताभ बच्चन तक पहुंची तो 16 पन्नों का सीन देखकर वह हैरान रह गए। उन्हें लगा कि इतने लंबे डायलॉग याद करना और उन्हें पर्दे पर सही भाव के साथ बोलना मुश्किल होगा। उन्होंने सीन को छोटा करने की बात कही। कादर खान उस वक्त दूसरी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे। फिर अमिताभ बच्चन की तरफ से उन्हें बुलावा आया। कादर खान को लगा कि शायद उनके सीन में कोई कमी निकाली गई है, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें अपनी बात समझाने का मौका मिला।

कादर खान ने इंटरव्यू में बताया था कि जब वह अमिताभ बच्चन के पास पहुंचे तो उन्होंने सभी को कमरे से बाहर भेज दिया और खुद पूरा सीन पढ़कर सुनाना शुरू किया। जैसे–जैसे कादर खान अपनी जिंदगी से जुड़े अनुभवों को शब्दों में उतारते गए, सीन का इमोशनल असर सामने आता गया।

कादर खान के मुताबिक, पूरा सीन सुनते–सुनते अमिताभ की आंखों में आंसू आ गए। उन्हें समझ आ गया कि ये सिर्फ लंबे डायलॉग नहीं हैं, बल्कि किरदार की जिंदगी और दर्द को बयान करने वाले शब्द हैं। इसके बाद अमिताभ ने कादर खान से कहा कि वह आगे भी अपनी आवाज में सीन रिकॉर्ड करके दिया करें, क्योंकि उनके सुनाने का अंदाज डायलॉग के भाव समझने में मदद करता था।

कादर खान की पहचान सिर्फ डायलॉग राइटर तक सीमित नहीं रही। 1973 में फिल्म दाग से बतौर एक्टर उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। गोविंदा के साथ उनकी कॉमेडी वाली फिल्मों ने 1990 के दशक में उन्हें नई पीढ़ी के दर्शकों के बीच भी लोकप्रिय बनाया।

एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर को पर्दे पर दुल्हन बनना पसंद, टीवी शो वसुधा के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो वसुधा में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए

खास होगा।शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।

प्रिया ने कहा, शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैंस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है। मुझे खूबसूरत और रॉयल आउटफिट्स के साथ जूलरी पहनना अच्छा लगता है, हालांकि उन्हें लंबे समय तक संभालकर रखना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, इस पूरे ट्रैक की शूटिंग का अनुभव शानदार रहा है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को देव और वसुधा की जिंदगी के इस नए सफर को देखना पसंद आएगा।

देव का किरदार निभाने वाले अभिषेक शर्मा भी इस शादी के ट्रैक को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि देव और वसुधा को आखिरकार उनकी खुशियों भरी जिंदगी मिल रही है, जिसका फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। शादी के ट्रैक की शूटिंग काफी एक्साइटिंग होती है। हमारी टीम काफी मेहनत कर रही है, जिससे पूरा काम आसान और मजेदार बन जाता है।



पूरी कास्ट भी काफी प्रोफेशनल और सपोर्टिव है। जब आसपास इतने अच्छे लोग हों, तो मुश्किल सीन भी यादगार बन जाते हैं।शो में इससे पहले हल्दी, मेहंदी, संगीत और शादी की रस्मों जैसे कई फंक्शन दिखाए जा चुके हैं। अब देव और वसुधा की शादी का यह ट्रैक दर्शकों के लिए खास होने वाला है।

सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत भी संवारता है आयोडीनयुक्तनमक, जानिए इसके फायदे

हमारे रोजमर्रा के खाने में नमक की अहम भूमिका होती है। दाल हो, सब्जी हो या सलाद, बिना नमक के खाने का स्वाद अधूरा लगता है। क्या आप जानते हैं कि नमक का चुनाव आपकी सेहत पर भी बड़ा असर डाल सकता है? खासकर आयोडीनयुक्त नमक का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हर साल 21 अक्टूबर को विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को शरीर में आयोडीन की जरूरत और इसकी कमी से होने वाली परेशानियों के प्रति जागरूक करना है। विश्व आयोडीन अल्पता दिवस पर आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयोडीन एक जरूरी पोषक तत्व है जिसकी मदद से थायरॉइड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है। यह ग्रंथि ऐसे हार्मोन बनाती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन से ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, आयोडीन बच्चों के मस्तिष्क के विकास, सीखने–समझने की क्षमता और सामान्य शारीरिक विकास के लिए भी जरूरी है। खासकर गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की पर्याप्त मात्रा बेहद महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इस समय बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का विकास हो रहा होता है। इसलिए हर उम्र के व्यक्ति के लिए आयोडीन की जरूरत को समझना जरूरी है।शरीर में लंबे समय तक आयोडीन की कमी रहने पर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी कमी से थायरॉइड ग्रंथि बढ़ सकती है, जिसे घेंघा रोग कहा जाता है। बच्चों में आयोडीन की कमी मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकती है। इससे सीखने और समझने में परेशानी होने के साथ–साथ शारीरिक विकास भी प्रभावित हो सकता है।वहीं, गर्भावस्था में आयोडीन की गंभीर कमी होने पर गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में आयोडीन की कमी को हल्के में लेना सही नहीं है। आयोडीन की कमी से बचने का एक आसान तरीका है रोजाना खाने में आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करना। यह शरीर में आयोडीन की जरूरत पूरी करने में मदद करता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नमक ज्यादा खाया जाए। अधिक नमक खाने से उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नमक का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए।आयुष मंत्रालय की मानें तो दूध और दही, दालें, कुछ हरी पत्तेदार सब्जियां, आलू और बीज जैसे तिल, कद्दू के बीज और सूरजमुखी के बीज में भी कुछ मात्रा में आयोडीन पाया जाता है।

बिग बास 20 के सफर पर बोले अमन गांधी, कहा- मैं खुद को सही तरीके से व्यक्तनहीं कर पाया

हाल ही में रियलिटी शो बिग बॉस 20 से बाहर हुए टेलीविजन अभिनेता अमन गांधी ने शो में अपने सफर को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि वह शो के दौरान खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाए। अमन ने कहा कि जो लोग उन्हें अच्छी तरह जानते हैं, उन्हें भी लगा कि घर के अंदर उनका असली व्यक्तित्व देखने को नहीं मिला। अभिनेता ने यह भी माना कि बिग बॉस के घर में रहते हुए वह खुद से बार–बार यही सवाल करते थे कि आखिर वह वैसे क्यों नहीं रह पा रहे हैं, जैसे आमतौर पर रहते हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाया। मैं खुद को जितना जानता हूं और लोग मुझे जितना जानते हैं, सभी का यही कहना था कि कहीं न कहीं अमन गायब था। यानी घर में असली अमन दिखाई नहीं दे रहा था। मैं भी अंदर बैठकर सोचता था कि लोग तुम्हें जिस वजह से पसंद करते हैं, तुम वैसा क्यों नहीं कर पा रहे हो। मुझे लगता है कि बहुत ज्यादा दबाव, थोड़ी नकारात्मकता और कई



चीजों का मिला–जुला असर दिमाग पर हावी हो जाता है। अंदर बहुत कुछ चल रहा था और मैं खुद को ठीक से व्यक्त नहीं कर पाया।अमन गांधी शो में केवल पांच सप्ताह का सफर तय कर सके। उन्हें अन्य नामित प्रतियोगियों की तुलना में कम वोट मिले, जिसके कारण उन्हें शो से बाहर होना पड़ा। लगातार दूसरे सप्ताह वह बॉटम में रहे थे। उनके साथ मैरी कॉम और उदिति सिंह भी बॉटम–थ्री में शामिल थीं।इस सीजन में एक लाइफलाइन सिस्टम भी शुरू किया गया था, जिसके तहत हर प्रतियोगी को एलिमिनेशन से बचने के लिए दो अतिरिक्त मौके दिए गए थे, हालांकि अमन पहले ही एक वोटिंग राउंड में अपनी पहली लाइफलाइन गंवा चुके थे।शो के दौरान वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल ढुल ने अमन के यौन अनुभवों को लेकर कुछ टिप्पणियां की थीं, जिससे अभिनेता असहज महसूस करने लगे थे,

पैसा कभी हमारे बीच नहीं आया बिग-बॉस 20 में - माहि बीज

टेलीविजन के सबसे विवादित और लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 के घर में इन दिनों भावनाओं का ज्वार उमड़ा हुआ है। शो का एक हालिया एपिसोड उस वक्त बेहद भावुक हो गया, जब अभिनेत्री माही विज अपनी साथी कंटेस्टेंट अरिशफा खान के साथ हुई तीखी बहस के बाद फूट–फूटकर रो पड़ीं। टेलीविजन के सबसे विवादित और लोकप्रिय रियलिटी शो शबिग बॉस 20 (ठपहह ठवे 20) के घर में इन दिनों भावनाओं का ज्वार उमड़ा हुआ है। शो का एक हालिया एपिसोड उस वक्त बेहद भावुक हो गया, जब अभिनेत्री माही विज अपनी साथी कंटेस्टेंट अरिशफा खान के साथ हुई तीखी बहस के बाद फूट–फूटकर रो पड़ीं। घर के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान माही ने एक सिंगल मदर के रूप में अपने संघर्षों और पूर्व पति जय भानुशाली के साथ अपने तलाक से जुड़े कुछ अनछुए पहलुओं को साझा किया। उन्होंने बताया कि कोर्ट के समझाने के बावजूद उन्होंने एलिमनी (गुजारा भत्ता) लेने से क्यों इनकार कर दिया था। वहीं, माही के इस खुलासे के बाद जय भानुशाली का दिल छू लेने वाला रिएक्शन सामने आया है।माही विज की इन बातों पर जय भानुशाली ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पैसा कभी उनके बीच नहीं आया। उन्होंने माही को भरोसा दिलाया कि चाहे उनका वैवाहिक रिश्ता कैसा भी हो, माही और उनकी बेटी तारा हमेशा उनकी जिम्मेदारी रहेंगी। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, षजिंदगी ने बहुत कुछ सिखाया, पर हार मानना घ्कभी नहीं। मेरी बेटी मेरी सबसे बड़ी ताकत है। बता दें कि कई सालों की शादी के बाद, माही विज और जय भानुशाली ने 4 जनवरी 2026 को अपने अलग होने की घोषणा की थी। दोनों अभी भी अपनी बेटी तारा की परवरिश मिलकर (को–पेरेंटिंग के जरिए) कर रहे हैं।जय भानुशाली ने क्या कहा?माही के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जय ने माही विज के इंस्टाग्राम पोस्ट पर कमेंट किया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।